हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

12 स्कूल परिसर को साफ-सुथरा, पानी की टंकियों...

11 सरकार की नीतियों को आमजन तक पहुंचाएं...

सहकारिता मंत्री ने 11 शिकायतों में से नौ को मौके पर निपटाया

अधिकारियों व कर्मचारियों को अलर्ट होकर काम करने की नसीहत दी

कैबिनेट मंत्री ने मोदी सरकार के 12 सालों को बेमिसाल बताते हुए नीतियों को सराहा

भिवानी। बैठक में सुनवाई करते सहकारिता मंत्री डॉ. अरविन्द शर्मा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

जनहित के सार्वजनिक कार्यों पर प्रशासन का विशेष फोकस रहे और किसी भी नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए चक्कर न काटने पड़े। अधिकारी सुनिश्चित करें कि नागरिकों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाए। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने दादरी में जिला लोकसंपर्क एवं कष्ट निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए ये निर्देश दिए। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत कर बताया कि बैठक में कल 11 शिकायतें रखी, जिसमें से 9 शिकायतों का मौके पर ही समाधान करवाया और दो के जल्छ निपटान के निर्देश दिए। । उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत सभी शिकायतों पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए। उन्होंने प्रशासन के प्रत्येक अधिकारी व कर्मचारी को अलर्ट होकर काम करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 साल के दौरान देश व प्रदेश में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। बैठक में एक अस्पताल में महिला की डिलीवरी के दौरान शरीर में ही पट्टी छोड़ने की शिकायत मिली थी, जिस पर सहकारिता मंत्री ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि मामले की सही तरीके से जांच करके दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करवाएं। बैठक में नए लघु सचिवालय के निर्माण कार्य में देरी और घसौला पावर हाउस से चिड़िया मोड़ आदि क्षेत्र में आने वाली बिजली की लाइन को लेकर भी शिकायत आई, जिस पर सहकारिता मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को अपना व्यवहार सुधारना होगा। अगले एक महीने में लघु सचिवालय का लंबित कार्य पूरा करके जरूरी टेस्टिंग करवाना सुनिश्चित करें। साथ ही अगले एक महीने में ही घसौला पावर हाउस से चिड़िया मोड़ आदि क्षेत्र तक आने वाले दोनों फीडर शिकायतकर्ता की मांग अनुसार बदलना भी सुनिश्चित करें। दोनों मामलों को अगली बैठक में विचार के लिए लंबित रखा गया है।

जल्द सड़क बनवाने के दिए निर्देश

कुलवंत फोगाट की शिकायत पर सहकारिता मंत्री ने निशानदेही करवाकर जल्द सड़क बनवाने के निर्देश दिए। युद्धवीर सिंह निवासी इमलोटा की शिकायत पर एसडीएम ने बताया कि जो निर्माण सामग्री प्रयोग की गई थी, उसके सैंपल लेकर के आगे लेबोरेटरी में भिजवा दिए हैं। प्रीतम कुमारी निवासी संतोखपुरा की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए सहकारिता मंत्री ने कहा कि अगले महीने तक ठेकेदार द्वारा कितना काम शुरू किया जाता है, इसके बाद ही कार्रवाई की जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने बिजली, जनस्वास्थ्य, लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों को भी जरूरी दिशा निर्देश दिए।

पात्रों तक पहुंच रहीं योजनाएंः विधायक

बैठक में विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने कहा कि सरकार की ओर से अंत्योदय की भावना के साथ काम करते हुए अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने के लिए कई अहम योजनाएं चलाई जा रही हैं। उपायुक्त मनदीप कौन ने सहकारिता मंत्री को बताया कि जिले में पेयजल समस्या को दूर करने के लिए विशेष फोकस के साथ युद्ध स्तर पर काम किया जा रहा है। आने वाली बरसात को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं और विभागों की ओर से मामले को लेकर भी तेजी से काम हो रहा है।

आज पिलाई जाएगी पोलियो रोधी दवा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के तहत 28 जून (रविवार) को पोलियो दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत बहल के सहयोग से स्वास्थ्य विभाग द्वारा 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की जीवनरक्षक खुराक पिलाई जाएगी। इसके लिए गांव में छह पोलियो बूथ बनाए गए हैं, जहां बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलाई जाएगी। ग्राम पंचायत की ओर से अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को किसी भी नजदीकी पोलियो बूथ पर लेकर अवश्य पहुंचें। पोलियो ड्रॉप्स पिलाने के लिए पंचायत घर, पीएचसी बहल, टैगोर स्कूल, एससी चौपाल, मानव कल्याण हॉस्पिटल तथा भिवानी रोड स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के निकट सर्विस स्टेशन पर पोलियो बूथ स्थापित किए जाएंगे। सरपंच साधु राम पनिहार ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाना जरूरी है।

एसडीएम ने जलघर का निरीक्षण किया

तोशाम। बरसाती पानी की निकासी की व्यवस्था का जायजा लेते एसडीएम।

- कस्बे में सिवरेज और ड्रेनेज के जरिये गंदे पानी निकासी का अधिकारी स्थाई समाधान करें : संदीप कुमार

तोशाम। एसडीएम संदीप कुमार ने कहा कि तोशाम में बरसाती पानी निकासी के लिए सीवरेज व्यवस्था में कोई कमी ना रहने दें। कस्बे में सिवरेज और ड्रेनेज के जरिये गंदे पानी निकासी का अधिकारी स्थाई समाधान करें। एसडीएम संदीप कुमार आज जल घर व गंदे पानी के बुस्टिंग स्टेशन निरीक्षण कर अधिकारियो को दिशा निर्देश दें रहे थे। उन्होंने तोशाम कस्बे में पेयजल और गंदे व बरसाती पानी निकासी की निरीक्षण के दौरान कस्बे में पोस्ट ऑफिस, मैन बाजार, माता वाली और पार्क वाली गली सहित बस स्टैण्ड के पास वाले जोहड़ से गंदे और बरसाती पानी के निकासी के बेहतर प्रबंधो बारे अधिकारियो को दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान सरपंच राजेश कुमार,एसडीओ पब्लिक हेल्थ विक्रम पुनिया, ठेकेदार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

Talk to our jewellery expert to know more 1800 2966 677 Buy online at tanishq.co.in or Download our App *Conditions apply, For T&C visit our website. -
शोरुम :- विजय नगर, केएम सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के पास, हांसी गेट, भिवानी टेली. 77290-93000

मुंबई-दिल्ली नहीं, बल्कि छोटे शहर भी बन रहे हैं निवेश के हब

40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से, पीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट में दावा : हर महीने 3 अरब डॉलर का निवेश
अगले दशक में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति का हस्तांतरण, भारतीय बाजारों को मिलेगा बड़ा फायदा, निवेशक भी होंगे मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

भारत में निवेश का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। अब केवल महानगर ही नहीं, बल्कि टियर-2, टियर-3 और टियर-4 शहर भी निवेश वृद्धि के प्रमुख केंद्र बन रहे हैं। प्राइसवाटरहाउसकूपर्स (पीडब्ल्यूसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार देश में शुरू होने वाले 40 फीसदी से अधिक नए सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) छोटे शहरों से आ रहे हैं। मासिक एसआईपी निवेश 3 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है, जो भारतीय शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी उपलब्ध करा रहा है। भारतीय निवेश बाजार में छोटे शहरों की भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय बाजारों को खुदरा निवेशकों और हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) दोनों वर्गों की बढ़ती भागीदारी का लाभ मिलेगा। भारत में वर्तमान में हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश आ रहा है। पीडब्ल्यूसी ने इसे प्राइस इंसेंसिटिव इक्विटी फ्लो बताया है, क्योंकि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं। इससे शेयर बाजार को स्थिर और दीर्घकालिक पूंजी मिल रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि घरेलू निवेशकों की बढ़ती ताकत भारतीय बाजार को वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाने में भी मदद कर रही है। देश में डिजिटल क्रांति ने निवेश के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां निवेश की सुविधा मुख्य रूप से बड़े शहरों तक सीमित थी, वहीं अब मोबाइल ऐप, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म और डिजिटल केवाईसी जैसी सुविधाओं ने छोटे शहरों के लोगों को भी बाजार से जोड़ दिया है। यही वजह है कि अब निवेश का नया केंद्र छोटे शहर और कस्बे बनते जा रहे हैं।

क्या कहता है अनुमान

रिपोर्ट के अनुसार अगले 10 वर्षों में भारत में 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक की संपत्ति एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को हस्तांतरित होगी। इस वेल्थ ट्रांसफर का बड़ा हिस्सा वित्तीय उत्पादों, म्यूचुअल फंड, शेयर बाजार और वेल्थ मैनेजमेंट सेवाओं की ओर जा सकता है। पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि वर्ष 2030 तक भारत में एचएनआई आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संपत्ति हस्तांतरण भारतीय वित्तीय क्षेत्र के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगा। नई पीढ़ी पारंपरिक निवेश साधनों की तुलना में शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और अन्य आधुनिक वित्तीय उत्पादों में अधिक रुचि

दिखा रही है। इससे निवेश उद्योग को नई गति मिलने की संभावना है। भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था को भी रिपोर्ट में निवेश वृद्धि का प्रमुख आधार बताया गया है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और एआई आधारित वित्तीय सेवाओं ने निवेश को आसान और सुलभ बनाया है। यही कारण है कि छोटे शहरों से निवेशकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

रिपोर्ट की प्रमुख बातें

- 40% से अधिक नए एसआईपी टियर-2, 3 और 4 शहरों से।
- हर महीने करीब 3 अरब डॉलर का एसआईपी निवेश।
- अगले 10 वर्षों में 1.5 ट्रिलियन डॉलर की पीढ़ीगत संपत्ति हस्तांतरण की संभावना।
- 2030 तक भारत में हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल आबादी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में सबसे तेज गति से बढ़ने का अनुमान।
- भारत वैश्विक निवेशकों और भारतीय पूंजी के लिए दोतरफा निवेश गलियारा बन रहा है।

छोटे शहरों से क्यों बढ़ रहा निवेश

- इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच में तेजी
- डिजिटल भुगतान प्रणाली का विस्तार
- म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती पहुंच
- युवाओं में निवेश के प्रति जागरूकता
- वित्तीय शिक्षा और निवेश अभियानों का असर
- डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बना ताकत

क्या कहती है रिपोर्ट

रिपोर्ट के अनुसार भारत का मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बड़ी एआई इंजीनियरिंग प्रतिभा, मोबाइल-फर्स्ट निवेशक वर्ग और नवाचार आधारित वित्तीय प्रणाली उसे एशिया-प्रशांत क्षेत्र के अन्य देशों से आगे खड़ा करती है। देश में मौजूद विशाल डिजिटल नेटवर्क निवेशकों को कम लागत और कम समय में वित्तीय सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। जीआईएफटी सिटी के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय निवेश अवसरों को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार यह भारत के लिए एक समयबद्ध अवसर है, जो देश को वैश्विक वित्तीय सेवाओं के केंद्र के रूप में स्थापित करने में मदद कर सकता है।

एशिया-प्रशांत में भारत की बढ़त

पीडब्ल्यूसी का अनुमान है कि 2026 से 2030 के बीच एशिया-प्रशांत क्षेत्र का एसेट और वेल्थ मैनेजमेंट बाजार 6.8 फीसदी की वार्षिक दर से बढ़ेगा। यह उत्तर अमेरिका के 6.2 फीसदी और यूरोप के 5.6 फीसदी की तुलना में अधिक है। भारत इस वृद्धि का प्रमुख लाभार्थी बन सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि मजबूत आर्थिक विकास, युवा आबादी और बढ़ती आय भारत को निवेश के लिए सबसे आकर्षक बाजारों में शामिल कर रही है।

निवेश के उभरते अवसर

म्यूचुअल फंड, पैसिव फंड, शेयर बाजार, वैकल्पिक निवेश, प्राइवेट क्रेडिट, वेल्थ मैनेजमेंट सेवाएं, वैकल्पिक निवेश में बड़ा अवसर

निवेशकों के लिए संकेत

विशेषज्ञों का मानना है कि छोटे शहरों से बढ़ती निवेश भागीदारी बाजारों को अधिक गहराई और स्थिरता प्रदान करेगी। बढ़ती वित्तीय जागरूकता, डिजिटल पहुंच और लंबी अवधि की निवेश संस्कृति आने वाले वर्षों में भारतीय पूंजी बाजारों की सबसे बड़ी ताकत बन सकती है। यदि मौजूदा रुझान जारी रहता है तो भारत वैश्विक निवेश मानचित्र पर और अधिक मजबूत स्थिति में दिखाई देगा और घरेलू निवेशक इसकी सबसे बड़ी शक्ति बनकर उभरेंगे।

निवेश विशेषज्ञ अब दे रहे सोने से दूर रहने की सलाह

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले कुछ वर्षों में सोने ने निवेशकों को शानदार रिटर्न दिया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और डॉलर पर घटते भरोसे जैसे कारणों से सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। लेकिन अब एक ऐसे निवेश विशेषज्ञ, जिनकी पिछली कई भविष्यवाणियां सही साबित हुई हैं, निवेशकों को सोने से दूरी बनाने की सलाह दे रहे हैं। मौजूदा स्तर पर सोना आकर्षक निवेश नहीं रह गया है। उनके अनुसार इक्विटी और डेट मार्केट फिलहाल निवेशकों के लिए बेहतर अवसर प्रदान कर रहे हैं। नवंबर 2023 में जब निवेशकों का भरोसा सोने पर कमजोर था और बाजार में नकारात्मक माहौल था, तब बुलियन में निवेश की जोरदार पैरवी की थी। बाद में चांदी की कीमतों को लेकर भी उनकी चेतावनी काफी हद तक सही साबित हुई। अब उनका कहना है कि जो परिस्थितियां पहले सोने के पक्ष में थीं, वे काफी हद तक बदल चुकी हैं। इसलिए नए निवेश के लिए सोना उनकी प्राथमिकता नहीं है।

ईटीएफ निवेश ने बढ़ाई कीमतें

हाल की तेजी में केवल केंद्रीय बैंकों की खरीदारी ही नहीं, बल्कि गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ में आए बड़े निवेश का भी योगदान रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जब किसी एसेट में अत्यधिक उत्साह पैदा हो जाता है, तो उसके रिटर्न की संभावनाएं धीरे-धीरे कम होने लगती हैं।

इक्विटी में दिख रहा बेहतर मूल्यांकन

भारतीय शेयर बाजार में 2024 के दौरान वैल्यूएशन काफी महंगे हो गए थे। लेकिन बाद की गिरावट और करेक्शन के बाद अब कई सेक्टर और कंपनियां अधिक उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं। उनके अनुसार अगले 3 से 5 वर्षों में इक्विटी बाजार सोने की तुलना में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है। खासकर लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह अवसर महत्वपूर्ण हो सकता है। भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूत विकास दर, बढ़ता घरेलू निवेश और कॉरपोरेट आय में सुधार की संभावनाएं इक्विटी बाजार के पक्ष में नजर आती हैं। यही वजह है कि कई फंड मैनेजर अब सोने की बजाय शेयर बाजार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बेहतर यील्ड का फायदा

विशेषज्ञों का मानना है कि वर्तमान समय में डेट मार्केट भी निवेशकों को आकर्षक अवसर प्रदान कर रहा है। ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के मौजूदा स्तर कई निवेशकों के लिए अच्छा जोखिम-रिटर्न संतुलन पेश कर रहे हैं। डेट निवेश उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकता है जो नियमित आय, अपेक्षाकृत कम जोखिम और पोर्टफोलियो में स्थिरता चाहते हैं।

10 लाख हों तो क्या करें?

यदि किसी निवेशक के पास 10 लाख रुपये निवेश के लिए उपलब्ध हैं, तो फिलहाल सोने में अतिरिक्त निवेश से बचना बेहतर हो सकता है। इसके बजाय राशि को इक्विटी और डेट निवेश के बीच संतुलित रूप से बांटना अधिक उपयुक्त रणनीति हो सकती है। हालांकि निवेश का अनुपात प्रत्येक व्यक्ति की उम्र, जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्य और निवेश अवधि के अनुसार अलग-अलग हो सकता है।

क्या सोने को पूरी तरह छोड़ देना चाहिए?

यह समझना जरूरी है कि किसी विशेषज्ञ द्वारा सोने को कम आकर्षक बताने का अर्थ यह नहीं है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो से सोना पूरी तरह हटा दें। वित्तीय योजनाकार आमतौर पर कुल पोर्टफोलियो का 5% से 10% हिस्सा सोने में रखने की सलाह देते हैं ताकि विविधीकरण बना रहे। सोना अब भी भू-राजनीतिक संकट, मुद्रास्फीति और बाजार की अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम कर सकता है। लेकिन वर्तमान मूल्य स्तरों पर असाधारण रिटर्न की उम्मीद करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

क्यों बदल गया सोने का निवेश समीकरण?

पहले वैल्यूएशन आकर्षक था : विशेषज्ञों के अनुसार कुछ साल पहले सोना अपेक्षाकृत कम कीमतों पर उपलब्ध था। उस समय डी-डॉलराइजेशन, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और वैश्विक आर्थिक चिंताओं जैसे कारक सोने के लिए मजबूत आधार तैयार कर रहे थे। हालांकि आज स्थिति अलग है। पिछले वर्षों की तेज बढ़त के बाद सोने की कीमतों में काफी वृद्धि हो चुकी है और निवेशकों का उत्साह भी चरम पर पहुंच गया है। ऐसे माहौल में आगे की तेजी की संभावना सीमित हो सकती है।

नॉर्मल, फिक्स्ड टॉप-अप और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

● छोटी बढ़ोतरी से करोड़ों का बन सकता है अतिरिक्त फंड ● 25 साल में रिटर्न का बड़ा अंतर, आय बढ़ने के साथ एसआईपी बढ़ाना जरूरी ● 10 हजार रुपये की मासिक एसआईपी पर वैरिएबल टॉप-अप से बन सकता है 4.46 करोड़ तक का फंड

जानकारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश का सबसे लोकप्रिय और आसान तरीका सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) माना जाता है। छोटी-छोटी रकम को नियमित रूप से निवेश कर लंबे समय में बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है। यही कारण है कि बीते कुछ वर्षों में एसआईपीनि वेशकों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि केवल एसआईपी शुरू करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय के साथ निवेश राशि को बढ़ाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बढ़ती आय के साथ यदि एसआईपी राशि भी बढ़ाई जाए तो लंबी अवधि में रिटर्न कई गुना बढ़ सकता है। निवेशकों के लिए सामान्य तौर पर तीन प्रकार की एसआईपी रणनीतियां उपलब्ध हैं। इनमें नॉर्मल एसआईपी , फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी और वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी शामिल हैं। तीनों का उद्देश्य नियमित निवेश करना है, लेकिन निवेश राशि बढ़ाने के तरीके और अंतिम फंड में काफी अंतर देखने को मिलता है।

क्या है नॉर्मल एसआईपी

नॉर्मल एसआईपी सबसे सामान्य और पारंपरिक निवेश विकल्प है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय राशि म्यूचुअल फंड में निवेश करता है और पूरी अवधि के दौरान यह राशि समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति ने 10,000 रुपये मासिक एसआईपी शुरू की है तो अगले वर्ष और उसके बाद भी वह हर महीने 10,000 रुपये ही निवेश करेगा। नॉर्मल एसआईपी उन लोगों के लिए उपयुक्त मानी जाती है जो निवेश में सरलता चाहते हैं और अपनी मासिक बचत को एक निश्चित सीमा में रखना पसंद करते हैं। हालांकि इसमें एक कमी यह है कि आय बढ़ने के बावजूद निवेश राशि नहीं बढ़ती, जिससे लंबी अवधि में संभावित फंड का आकार सीमित रह सकता है।

नॉर्मल एसआईपी की विशेषताएं

■ हर महीने एक निश्चित राशि का निवेश ■ निवेश प्रक्रिया सरल और आसान ■ बजट प्रबंधन में सुविधा ■ नए निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प ■ आय बढ़ने का पूरा लाभ निवेश में नहीं जुड़ता

क्या है फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी उन निवेशकों के लिए बनाई गई है जो अपनी एसआईपी राशि को समय-समय पर बढ़ाना चाहते हैं। इसमें निवेशक हर वर्ष अपनी मासिक एसआईपी में एक निश्चित रकम जोड़ता है। यह बढ़ोतरी पहले से तय होती है और हर साल समान रहती है। उदाहरण के तौर पर यदि कोई निवेशक 10,000 रुपये की एसआईपी शुरू करता है और हर साल 1,000 रुपये का टॉप-अप चुनता है, तो अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये, फिर 12,000 रुपये और उसके बाद 13,000 रुपये हो जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विकल्प उन वेतनभोगी लोगों के लिए अच्छा है जिन्हें हर साल नियमित वेतन वृद्धि मिलती है। इससे आय बढ़ने के साथ निवेश भी बढ़ता रहता है और लंबी अवधि में बड़ा फंड तैयार करने में मदद मिलती है।

फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी के फायदे

■ हर साल निवेश राशि में बढ़ोतरी ■ वेतन वृद्धि का लाभ निवेश में शामिल ■ लंबी अवधि में अधिक संपत्ति निर्माण ■ निवेश योजना पहले से तय रहती है ■ वित्तीय लक्ष्यों को तेजी से हासिल करने में मदद

क्या है वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी सबसे उन्नत और आक्रामक एसआईपी रणनीति मानी जाती है। इसमें निवेशक हर साल अपनी एसआईपी राशि को एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर बढ़ाता है। यह प्रतिशत 5, 10 या 15 फीसदी हो सकता है। मान लीजिए किसी निवेशक ने 10,000 रुपये की मासिक एसआईपी शुरू की और 10 फीसदी वार्षिक टॉप-अप चुना। ऐसे में अगले साल उसकी एसआईपी 11,000 रुपये होगी। दूसरे साल यह 12,100 रुपये और तीसरे साल 13,310 रुपये तक पहुंच जाएगी। यानी हर साल बढ़ी हुई राशि पर भी वृद्धि का लाभ मिलता है।

वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी बेहतर क्यों

■ प्रतिशत आधारित वृद्धि ■ बढ़ी हुई राशि पर भी कंपाउंडिंग का लाभ ■ लंबी अवधि में सबसे अधिक फंड बनने की संभावना ■ बढ़ती आय वाले युवाओं के लिए उपयुक्त ■ महंगाई के प्रभाव को संतुलित करने में मदद

25 साल में कितना बन सकता है फंड

यदि कोई निवेशक 25 वर्षों तक हर महीने 10,000 रुपये से निवेश शुरू करता है तो तीनों एसआईपी विकल्पों में अंतिम फंड का आकार काफी अलग हो सकता है।

एसआईपी	कुल निवेश	
नॉर्मल	30 लाख रु.	2.27 करोड़ रु.
फिक्स्ड टॉप-अप	66 लाख रु.	3.44 करोड़ रु.
वैरिएबल	1.18 करोड़ रु	4.46 करोड़ रु

निवेशकों के लिए सही विकल्प क्या

सही एसआईपी रणनीति का चुनाव निवेशक की आय, वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम लेने की क्षमता पर निर्भर करता है। यदि किसी व्यक्ति की आय सीमित है और वह निवेश को सरल रखना चाहता है तो नॉर्मल एसआईपी बेहतर विकल्प हो सकती है। वहीं जिन लोगों की आय हर साल बढ़ती है, उनके लिए फिक्स्ड टॉप-अप एसआईपी अधिक फायदेमंद साबित हो सकती है। दूसरी ओर युवा निवेशक, पेशेवर और तेजी से बढ़ती आय वाले लोग वैरिएबल टॉप-अप एसआईपी के जरिए लंबी अवधि में बड़ा कोष तैयार कर सकते हैं।

अलर्ट सही अवधि का चुनाव बढ़ा सकता है रिटर्न, सुरक्षित होगा भविष्य, ब्याज दर के साथ निवेश अवधि और वित्तीय लक्ष्य भी हैं अहम

सही एफडी का चुनाव बढ़ा सकता है आपकी कमाई और बचत

1, 3 या 5 साल... किस फिक्स्ड डिपॉजिट में मिलेगा ज्यादा मुनाफा? ब्याज दर, टैक्स और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रख करें निवेश

समझदारी
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार की उठापटक के बीच यदि कोई निवेश विकल्प आज भी सबसे भरोसेमंद माना जाता है तो वह है फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी)। पूंजी की सुरक्षा और पहले से तय रिटर्न के कारण एफडी आज भी लाखों निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई है। खासकर नौकरीपेशा, वरिष्ठ नागरिक और जोखिम से बचने वाले निवेशक एफडी को सुरक्षित निवेश मानते हैं। हालांकि एफडी में निवेश करते समय सबसे बड़ा सवाल यह होता है कि 1 साल, 3 साल या 5 साल में से किस अवधि की एफडी सबसे अधिक लाभ देगी।

इसका जवाब केवल ब्याज दरों में नहीं छिपा है। सही एफडी का चुनाव आपकी वित्तीय जरूरत, निवेश की अवधि, ब्याज दरों के रुझान और टैक्स प्लानिंग पर निर्भर करता है। वर्तमान में विभिन्न सरकारी, निजी और स्मॉल फाइनेंस बैंक अलग-अलग अवधि पर अलग ब्याज दरें दे रहे हैं। ऐसे में निवेश करने से पहले इनकी तुलना करना जरूरी हो जाता है।

1 साल की एफडी : कम समय के लिए बेहतर विकल्प

अगर आप अपना पैसा लंबे समय तक लॉक नहीं करना चाहते या निकट भविष्य में पैसों की जरूरत पड़ सकती है, तो 1 साल की एफडी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इस अवधि की एफडी में निवेशक को यह सुविधा मिलती है कि मैच्योरिटी के बाद वह उस समय की नई ब्याज दरों के अनुसार दोबारा निवेश कर सकता है। यदि भविष्य में ब्याज दरें बढ़ती हैं तो इसका फायदा भी आसानी से उठाया जा सकता है। वर्तमान में स्मॉल फाइनेंस बैंक इस अवधि में सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक और उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक 1 साल की एफडी पर 7.25 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं, जबकि इक्विटास स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.10 प्रतिशत की दर ऑफर कर रहा है। निजी बैंकों में यस बैंक 6.65 प्रतिशत, जबकि आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक 6.25 प्रतिशत ब्याज दे रहे हैं। सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.25 प्रतिशत और बैंक ऑफ इंडिया 6.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहा है।

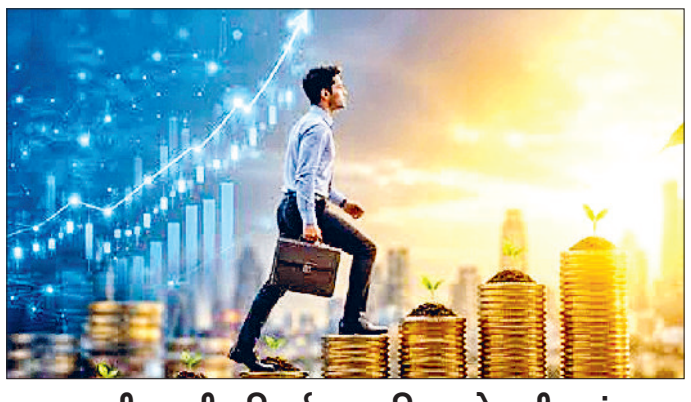

3 साल की एफडी : रिटर्न व अवधि का बेहतरीन संतुलन

जो निवेशक मध्यम अवधि के लिए निवेश करना चाहते हैं और बिना बहुत लंबा इंतजार किए अच्छा रिटर्न पाना चाहते हैं, उनके लिए 3 साल की एफडी आकर्षक विकल्प मानी जाती है। इस अवधि में कई बैंक 1 साल की तुलना में अधिक ब्याज दे रहे हैं। जन स्मॉल फाइनेंस बैंक, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक और शिवालिक स्मॉल फाइनेंस बैंक 3 साल की एफडी पर 7.50 प्रतिशत तक ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक 7.35 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। अगर सरकारी योजनाओं की बात करें तो पोस्ट ऑफिस की 3 वर्षीय टाइम डिपॉजिट योजना पर 7.10 प्रतिशत ब्याज मिल रहा है। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक 6.45 प्रतिशत, जबकि एसबीआई 6.30 प्रतिशत ब्याज दर की पेशकश कर रहा है।

5 साल की एफडी : टैक्स बचत

यदि आपका उद्देश्य लंबी अवधि का निवेश करना है और साथ ही आयकर में बचत भी करनी है तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी सबसे उपयुक्त विकल्प हो सकती है। आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत इस एफडी में निवेश करने पर सालाना 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स कटौती का लाभ लिया जा सकता है। 5 साल की अवधि में भी स्मॉल फाइनेंस बैंक सबसे अधिक ब्याज दे रहे हैं। सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.90 प्रतिशत, जन स्मॉल फाइनेंस बैंक 7.77 प्रतिशत और डीसीबी बैंक 7.50 प्रतिशत तक ब्याज दे रहे हैं। बड़े निजी बैंकों में आईसीआईसीआई बैंक 6.50% और एचडीएफसी बैंक 6.40% ब्याज की पेशकश कर रहे हैं। वहीं सरकारी बैंकों में एसबीआई 6.05 प्रतिशत, बैंक ऑफ इंडिया 6 प्रतिशत और पंजाब नेशनल बैंक 5.95 प्रतिशत ब्याज दे रहा है।

सीनियर सिटीजन को अतिरिक्त फायदा

लगभग सभी बैंक वरिष्ठ नागरिकों को सामान्य ग्राहकों की तुलना में 0.25 से 0.75 प्रतिशत तक अतिरिक्त ब्याज देते हैं। कई बैंक सुपर सीनियर सिटीजन के लिए भी विशेष ब्याज दरें लागू करते हैं। इसलिए वरिष्ठ नागरिकों को निवेश से पहले बैंक की विशेष एफडी योजनाओं की जानकारी अवश्य लेनी चाहिए।

सिर्फ ब्याज दर देखकर फैसला न करें

निवेश विशेषज्ञों का मानना है कि एफडी चुनते समय केवल सबसे अधिक ब्याज दर पर ध्यान देना सही रणनीति नहीं है। बैंक की विश्वसनीयता, जमा राशि की सुरक्षा, समय से पहले निकासी के नियम, ब्याज भुगतान का विकल्प और आपकी वित्तीय जरूरत भी उतनी ही महत्वपूर्ण हैं। यदि निवेश की अवधि कम है तो 1 साल की एफडी बेहतर हो सकती है, जबकि मध्यम अवधि के लक्ष्य के लिए 3 साल और टैक्स बचत व लंबी अवधि के लिए 5 साल की एफडी अधिक उपयोगी साबित हो सकती है।

किसके लिए कौन-सी एफडी?

1 साल की एफडी
- कम अवधि का निवेश
- पैसों की जल्द जरूरत होने की संभावना
- ब्याज दर बढ़ने पर दोबारा निवेश का अवसर

3 साल की एफडी
- बेहतर रिटर्न और संतुलित अवधि
- मध्यम अवधि के वित्तीय लक्ष्य
- जोखिम कम, रिटर्न अपेक्षाकृत बेहतर

5 साल की एफडी
- लंबी अवधि का सुरक्षित निवेश
- धारा 80सी के तहत टैक्स बचत
- भविष्य के बड़े वित्तीय लक्ष्यों के लिए उपयुक्त

निवेश टिप्स

- निवेश का उद्देश्य और अवधि पहले तय करें।
- विभिन्न बैंकों की ब्याज दरों की तुलना करें।
- केवल अधिक ब्याज के बजाय बैंक की विश्वसनीयता भी देखें।
- टैक्स बचत चाहिए तो 5 साल की टैक्स-सेवर एफडी चुनें।
- वरिष्ठ नागरिक अतिरिक्त ब्याज दर का लाभ अवश्य लें।
- मैच्योरिटी के बाद राशि का पुनर्निवेश करने की योजना पहले से बनाएं।

कार्यकर्ता ही पार्टी की असली शक्ति, पार्टी को कर रहे बूथ स्तर पर मजबूत

सरकार की नीतियों को आमजन तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : फणीन्द्रनाथ शर्मा

प्रदेश महामंत्री ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएं

डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान को नमन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीढ़ बताते हुए कहा कि संगठन की मजबूती और बूथ सशक्तिकरण ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पूरी ऊर्जा के साथ जुट जाएं। संगठन महामंत्री शर्मा ईशरवाल मंडल, बापोड़ा मंडल एवं तोशाम मंडल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक मंडल सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। इस त्रैमासिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता ईशरवाल मंडल अध्यक्ष कुलदीप महला, बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक तथा तोशाम मंडल अध्यक्ष विक्की मेहता ने संयुक्त रूप से की।

भिवानी। बैठक में उपस्थित प्रदेश महामंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और अन्य भाजपा नेता। फोटो : हरिभूमि

प्रदेश संगठन महामंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के ऐतिहासिक बलिदान और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। उन्होंने कहा कि डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और देशहित के लिए समर्पित रहा। आज के समय में उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि देने का सबसे सर्वोत्तम माध्यम पर्यावरण का संरक्षण करना है। इसके लिए हम सभी को संकल्प लेकर अधिक से अधिक पौधारोपण करना होगा।

पार्टी के आगामी कार्यक्रमों पर की चर्चा

भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेन्द्र कौशिक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की असली पूंजी और शक्ति है। उन्होंने आगामी सांगठनिक कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा करते हुए कहा कि आने वाले समय में पार्टी के कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाएगा। कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम मन की बात को अब जिले के प्रत्येक बूथ स्तर तक सुनने और देखने की व्यापक व्यवस्था की जाएगी। इसके माध्यम से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और सकारात्मक संदेशों को सीधे आमजन तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ आगामी कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

ये रहे मौजूद

भाजपा की जिला प्रभारी रेनू डाबला ने कार्यकर्ताओं के अनुशासन की सराहना करते हुए कहा कि भाजपा आज अपने समर्पित कार्यकर्ताओं की दिन-रात की मेहनत और बेजोड़ अनुशासन के बल पर ही विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को सफलता का मूलमंत्र देते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता को सेवा, संगठन और समन्वय की त्रिवेणी के साथ मैदान में उतरना चाहिए। इस अवसर पर मोहित चौधरी, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप प्रजापति, रविंद्र बापोड़ा, धीरज बापोडिया, मुनिपाल तंवर, राजु बापौडा, रविंद्र, राज किशन सरपंच, दिनेश भारद्वाज, अजित शेखावत, सुरजभान वर्मा, जिला मीडिया प्रभारी राकेश मिश्रा, सतबीर गौड़, किरनपाल तंवर, तिला पहलवान, शैंकी पोपली महामंत्री, राधेश्याम कलाकार महामंत्री, अश्विनी मास्टर तोशाम, टोनी बराला, कुलदीप मडंल अध्यक्ष राजपाल कडवासरा, अजीत शर्मा सरपंच, रमेश लालावास रामकिशन शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बंसीलाल पार्क से नशा मुक्ति नुक्कड़ संदेश अभियान का आगाज

मादक पदार्थों से दूर रहने के लिए लोगों को बताए नशे से होने वाले नुकसान

सूखे नशे का भी बढ़ रहा है प्रचलन, जिससे युवाओं को बचाना जरूरी : भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। नशा विरोधी दिवस पर युवाओं को शपथ दिलाते हुए। फोटो : हरिभूमि

अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के अवसर पर युवाओं एवं आमजन को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से जागरूक करने के उद्देश्य से माय युवा भारत, भिवानी , संबंधित युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के मार्गदर्शन में नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति एवं सदाचार शिक्षा समिति द्वारा स्थानीय पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी बंसीलाल पार्क से नुक्कड संदेश के साथ 11 दिवसीय जन-जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया जाएगा। 11 दिवसीय यह विशेष अभियान महंत वेदनाथ महाराज, महंत चरण दास ,महंत डॉक्टर चौधरी, महामंडलेश्वर साध्वी करुणागिरी के सानिध्य में रहेगा। समय समय पर इस जनसंदेश कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पीसीसीएआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र लोहिया, वर्धमान ज्वैलर्स से एमडी सचिन जैन , समाजसेवी लक्ष्मण गौड़ , विवेकानंद हाई स्कूल निदेशक सावित्री यादव, समाजसेवी अमित गोयल मंडी, समाजसेवी विजेंद्र यादव, सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति व युवा मंडलों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि रहेंगे। इस अवसर पर भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस प्रत्येक वर्ष 26 जून को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को मादक पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी से होने वाले गंभीर सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना है।

सप्ताह में सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को एक दिन मिला नहर का पानी : फौजी

भिवानी। आयोजित बैठक में लोगों से बातचीत करते पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी। फोटो : हरिभूमि

भिवानी। पूर्व सीपीएस रामकिशन फौजी ने कहा कि तोशाम, बवानीखेड़ा की जीवनरेखा कहे जाने वाली सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी को सात दिन की बजाए महज एक दिन ही पानी मिल पाया है। जिस वजह से इन दोनों हलकों के खेत बिना सिंचाई के रह गए,वहीं इस पर पड़ने वाले जलघरों में पानी नहीं पहुंचा, जिस वजह से इस झुलसाने वाली गर्मी में लोगों के हलक सूख रहे है। क्षेत्र के लोगों द्वारा बार बार शिकायत करने के बाद अभी तक नहरी पानी की स्थिति नहीं सुधर पाई है। वे आज गांव बड़सी में एकत्रित लोगों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर इस सीजन में सुंदर नहर या अन्य नहरों में पानी आएगा तो किस तरह से किसान अपने खेतों में फसलों की सिंचाई कर पाएगें। वहीं पानी की कमी के चलते अनेक जलघरों में पानी नहीं पहुंचा है। ऐसे में किस तरह से लोगों का हलक तर होगा। उन्होंने बताया कि कायदे से सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में कम से कम 15 दिन पानी चलाया जाना चाहिए। क्योंकि यह नहर बवानीखेड़ा के अलावा तोशाम इलाके के खेतों की सिंचाई होती है। पानी की कमी के चलते किसानों के खेत मुरझाने लगी है। अगर यही स्थिति रही तो पानी के अभाव में किसानों को अपनी खरीफ फसल से हाथा धोने पड़ सकती है।

सीमा ने एशियन गेम्स के लिए किया क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय भिवानी के फिजिकल एजुकेशन (शारीरिक शिक्षा) विभाग की पीएचडी, स्कॉलर सीमा ने एशियन गेम्स 2026 के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सीमा की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। डीन स्टूडेंट वेलफेयर, डॉ. सुरेश मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि सीमा बहुत अच्छी खिलाड़ी है। कड़ी मेहनत और लगन से उसने विश्वविद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने विश्वास जताया कि 2028 के ओलंपिक खेल में सीमा अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करेंगी। विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. दीप्ति धर्माणी ने सीमा के प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय के लिए बहुत हर्ष और गर्व की बात है।

भिवानी। एशियन गेम्स के लिए चयनित खिलाड़ी सीमा।

रांची में जीता स्वर्ण पदक

सीमा ने हाल ही में रांची में आयोजित साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, दक्षिण एशियाई वरिष्ठ एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। इस वर्ष उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 57.18 मीटर चेन्नई में नेशनल इंटर-स्टेट मीट, राष्ट्रीय अंतर-राज्य प्रतियोगिता में रहा।

उन्होंने स्पोर्ट्स विभाग की सराहना करते हुए खिलाड़ी सीमा को जीत के लिए बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि हमारी बेटी निश्चित तौर पर ओलंपिक में अपनी प्रतिभा का बेहतर प्रदर्शन कर देश प्रदेश के साथ इस क्षेत्र एवं विश्वविद्यालय का नाम रोशन करेगी। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी विद्यार्थियों को उच्च किस्म की शिक्षा प्रदान की जाती है।

पति हैं कोच, परिवार का मिल रहा पूरा सहयोग

सीमा के पति रविंद्र ही उनके कोच भी हैं। सीमा के अनुसार घर पर वे उनके पति हैं, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान कोच बन जाते हैं। रविंदर ने ही सीमा को खेल को गंभीरता से लेने के लिए प्रेरित किया। सीमा के माता-पिता और ससुराल पक्ष बच्चे की देखभाल करते हैं, जबकि रविंदर ट्रेनिंग संभालते हैं। इस सहयोग से सीमा अपनी पीएचडी की कक्षाओं और कोर्स वर्क, कार्य पर भी ध्यान दे पाती हैं।

मर्यादाओं की सीमा न लांघें भाजपा नेता : अनिरुद्ध चौधरी

- इमरजेंसी को लेकर दिए गए मनोहर लाल के बयान की निंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर एक बार फिर अपने एक विवादित बयान को लेकर चौतरफा घिर गए हैं। इमरजेंसी को लेकर दिए गए उनके एक हालिया बयान ने प्रदेश और देश की सियासत में उबाल ला दिया है। मनोहर लाल ने अपने बयान में सीधे तौर पर देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, संजय गांधी और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बंसीलाल पर निशाना साधते हुए उन्हें इमरजेंसी के तीन दलाल कह डाला। केंद्रीय मंत्री के इस बेहद तल्ख और अमर्यादित शब्द के इस्तेमाल के बाद विपक्ष का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। इस बयान के सामने आते ही कांग्रेस ने भाजपा और मनोहर लाल के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरूद्ध चौधरी ने इस बयान पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे बेहद निंदनीय, ओछी मानसिकता का परिचायक और दिवंगत नेताओं का अपमान करार दिया है। अनिरूद्ध चौधरी ने मनोहर लाल के इस गैर-जिम्मेदाराना और अपमानजनक बयान की कड़ी आलोचना की।

न्यूज डायरी

आपातकाल में संघर्ष के लिए मा. कृष्ण शर्मा सम्मानित

तोशाम। एमडीयू रोहतक में आयोजित आपातकाल के 51 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में बजीणा निवासी मा. कृष्ण शर्मा को आपातकाल के दौरान किए गए संघर्ष और लोकतंत्र की रक्षा के लिए दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन एवं सस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिहं शेखावत ने कहा कि 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का एक महत्वपूर्ण और पीड़ादायक अन्याय है। जब देश में आपातकाल लागू किया गया। इस अवधि में नागरिक स्वतंत्राओ, अभिव्यक्ति की आजादी तथा लोकतांत्रिक सस्थाओं पर व्यापक प्रभाव पड़ा।

शिविर में 72 विशेष बच्चों के स्वास्थ्य को जांचा

भिवानी। भारत विकास परिषद के संस्थापक डॉ. सूरज प्रकाश की 106वीं जयंती पर शनिवार को एक अनूठी और सेवाभावी पहल देखने को मिली। परिषद की शहीद मदन लाल ढींगड़ा शाखा ने आस्था स्पेशल स्कूल के प्रांगण में विशेष बच्चों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य व रक्त जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में स्कूल के करीब 72 विशेष विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की बारीकी से जांच की। शिविर का शुभारंभ अतिथियों ने भारत माता, स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. सूरज प्रकाश के चित्रों के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित कर और पुष्पांजलि अर्पित करके किया।

173 श्रमिकों एवं फैक्ट्री कर्मचारियों का स्वास्थ्य जांचा

चरखी दादरी। समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहे मॉडल दादरी जिला बनाओ संगठन ने शनिवार को मानव सेवा की प्रेरणादायक मिसाल पेश की। संगठन द्वारा धिकाड़ा रोड एवं रावलधी बाईपास स्थित दो औद्योगिक इकाइयों एवं बाढ़डा में जेवली रोड स्थित औद्योगिक इकाई में निःशुल्क चिकित्सा शिविर लगाए। शिविरों में मेदान्ता फाउंडेशन एवं अनमोल रत्ना वेलफेयर फाउंडेशन की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम में डॉ. स्वतंत्र चौधरी, डॉ. महेश, डॉ. सुरेश रंजन एवं डॉ. प्रियव्रत ने अपनी सेवाएं प्रदान की। तीनों शिविरों में 173 श्रमिकों एवं फैक्ट्री कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की। जांच के दौरान ब्लड शुगर, एनीमिया, रक्तचाप, ईसीजी, एलएफटी, छाती के एक्स-रे, नेत्र परीक्षण सहित विभिन्न सामान्य एवं आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए तथा जरूरतमंदों को चिकित्सकीय परामर्श भी दिया गया। शिविरों की अध्यक्षता क्रमशः अंशुल ग्रोवर, महेंद्र गोयल, विकास स्वामी एवं प्रकाश शर्मा ने की।

सुंदर नहर में पानी की मांग को लेकर बैठक

बवानी खेड़ा। क्षेत्र के गांव जमालपुर की यादव धर्मशाला मे गांव की महिलाओं की मिटींग चन्द्रो यादव की अध्यक्षता मे हुई। जिसमें मांग की गई कि सुंदर नहर मे 15 दिन पानी चलाया जाये । क्योंकि इस नहर के टेल पर पड़ने वाले गांवों मे जमीनी पानी भी पीने लायक नहीं है । लोगों को टैंकरो से पानी मंगवाने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है । गोरतलब है कि अभी सुंदर नहर की बारी का सप्ताह चल रहा है लेकिन उसमे एक दिन पानी चलाकर बंद कर दिया गया है।इससे पहले भी नहर में पुरा पानी चलवाने के लिये इस इलाके के लोग विधायक ओर मुख्यमंत्री तक गुहार लगा चुके है ओर 25 तारिख को सिंचाई मन्त्री श्रुति चौधरी को भी ज्ञापन देकर आये है। आज की मिटींग की अध्यक्षता चंद्रो यादव ने की चेतावनी देते हुये कहा कि या तो जल्द से जल्द हमारी नहर मे पानी छोडा जाये नही तो इलाके की महिलाओं को लामबंद करके बहुत बड़ा आंदोलन किया जायेगा। इस अवसर पर सन्तोष,कान्ता,सुखपत,राजबाला,सावित्री ओमपति,सकीम व प्रहलाद यादव भी शामिल हुए।

तीन राज्यों के खिलाड़ियों को पछाड़कर भिवानी की बेटियों ने दो गोल्ड व एक ब्रांज मेडल जीता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। पदक विजेताओं को सम्मानित करते हुए।

मेहनत, लगन और सही मार्गदर्शन अगर मिल जाए तो सफलता कदम चूमती है। ऐसा ही कुछ कर दिखाया है स्थानीय हनुमान जोहड़ी मंदिर धाम में युवा जागृति एवं जनकल्याण मिशन ट्रस्ट के बैनर तले संचालित श्री हनुमान योग केंद्र की तीन होनहार बेटियों ने। अंबाला में 23 से 25 जून तक आयोजित केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में इन बेटियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ना केवल भिवानी बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस प्रतियोगिता के गुरुग्राम क्षेत्र के तहत आने वाले हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के अनेक केंद्रीय विद्यालयों के शीर्ष खिलाड़ियों ने भाग लिया था, जिसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच इन बेटियों ने पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। श्री हनुमान योग केंद्र के योग इंस्ट्रक्टर विक्रम कांगड़ा के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कड़ा अभ्यास करने वाली इन खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में अपना दबदबा बनाया। प्रतियोगिता में अंडर-17 आयु वर्ग में योगा खिलाड़ी विधि ने स्वर्ण पदक, अंडर-19 आयु वर्ग में इशिका ने स्वर्ण पदक तथा यश कुमारी ने कांस्य पदक हासिल किया। इस बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर इन तीनों पदक विजेता बेटियों का चयन आगामी राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के लिए हो गया है।

सतलोक आश्रम में संत कबीर दास के प्रकट दिवस पर उमड़ा भक्तों का सैलाब

- भिवानी की बेटी ने बढ़ाया हरियाणा और विश्वविद्यालय का मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। प्रकट दिवस पर उपस्थित श्रद्धालु।

संत शिरोमणि कबीर साहब के प्रकट दिवस के उपलक्ष्य में कालुवास मोड स्थित सतलोक आश्रम में तीन दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ शनिवार से हुआ। संत रामपाल महाराज के सानिध्य में इस पर्व को बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस विशेष अवसर पर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा है। आश्रम परिसर पूरी तरह से भक्तिमय माहौल में डूबा दिखाई दिया। सतलोक आश्रम भिवानी की सेवा समिति तथा जिला को-ऑर्डिनेटर्स ने बताया कि इस पर्व को लेकर तैयारियां कई दिनों पहले से ही युद्ध स्तर पर जारी थीं। पर्व की बड़ी उमंग और उत्साह के साथ श्रद्धालुओं बड़ी-बड़ी टोलियां आश्रम परिसर में पहुंची। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत संत गरीबदास महाराज की अमर वाणियों का अखंड पाठ संत रामपाल की अमृत वाणी में निरंतर जाएगा। इसके अलावा समागम के तीनों दिन आने वाले सभी श्रद्धालुओं और आमजन के लिए विशाल भंडारे का भव्य आयोजन जारी रहेगा।

नागरिकों एवं कर्मचारियों को मतदान का महत्व समझाया

सशक्त लोकतंत्र के लिए हर नागरिक की भागीदारी जरूरी

जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार के नेतृत्व में हुआ कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। महिलाओं को एसआईआर करवाने एवं राष्ट्र निर्माण की शपथ दिलवाते जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार। फोटो : हरिभूमि

लोकतंत्र के महापर्व में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने और चुनावी प्रक्रिया के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला रैडक्रॉस सोसायटी ने विशेष पहल की है। जिला रैडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष एवं उपायुक्त साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन तथा जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार के नेतृत्व में हिंदुस्तान गम्स एंड कैमिकल में एसआईआर अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम हुआ। अभियान के दौरान उपस्थित नागरिकों एवं कर्मचारियों को मतदान के महत्व से रूबरू करवाया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रशिक्षण अधिकारी विकास कुमार ने नागरिकों को प्रेरित कर एसआईआर करवाएंगे, देश को मजबूत बनाएंगे की शपथ दिलाई।

प्रत्येक वोट देश के विकास की नींव

उन्होंने उपस्थित जनसमूह को जागरूक करते हुए कहा कि हर एक वोट देश के विकास की नींव को सुदृढ़ करता है, इसलिए अपनी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। रैडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार ने कहा कि रैडक्रॉस सोसायटी केवल स्वास्थ्य और समाज सेवा में ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के हर महत्वपूर्ण स्तंभ में अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही है। मतदान केवल हमारा अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति हमारा परम कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि एसआईआर अभियान का मुख्य उद्देश्य समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक मतदाता जागरूकता का संदेश पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि एसआईआर यानि विशेष गहन पुर्ननिरीक्षण का कार्य मतदाता सूची को अधिक सटीक, पारदर्शी व समावेशी बनाने की एक प्रक्रिया है, जिसकी विशेषता है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को मतदाता सूची में शामिल करना तथा अपात्र व्यक्ति को मतदाता सूची से हटाना है। एसआईआर कार्य उन मतदाताओं के विवरणों की जांच करेगा, जिसका विवरण पिछली मतदाता सूची से मेल नहीं खाता। अभियान के माध्यम से युवाओं, महिलाओं और पहली बार वोट देने वाले मतदाताओं को चुनावी प्रक्रिया से जोड़ रहे हैं। क्लब की प्रधान सुजाता शारदा व उनकी टीम सदस्यों के साथ मिलकर जागरूकता कार्यक्रम किया, जिसका लक्ष्य भिवानी जिले में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना है।

सांसद ने कबीर जयंती में भागीदारी कर समाज को एकजुटता का संकल्प दिलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बाढड़ा

बाढड़ा। संत कबीर दास के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए।

गांव लाड में संत शिरोमणि कबीर दास की जयंती श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह रहे।

सांसद धर्मबीर सिंह ने संत कबीर दास के जीवन, विचारों और समाज सुधार में उनके अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबीर की शिक्षाएं आज भी समाज को सत्य, समानता, भाईचारे और मानवता का मार्ग दिखाती हैं। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संत कबीर दास जी के बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। आयोजन में भजन-कीर्तन, सत्संग तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। समापन कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुधीर चांदवास, बलवान, जिला उपाध्यक्ष भाजपा, धर्मबीर लाडिया, अजय नाथ, कृष्ण नाथ, अनिल बाढड़ा, कर्मवीर सरपंच, ओमप्रकाश लाड़, रविन्द्र भाण्डवा, धर्मबीर डाबला, राज खन्नगवाल, राम सिंह बुमरा, दर्शन डाबला,जोगेन्द्र जेवली, रामसिंह ढाणी सुरजा आदि रहे।

खबर संक्षेप

परमात्मा से बड़ी कोई ताकत नहीं:बिजलवान

भिवानी। कृष्णा कॉलोनी स्थित श्री शिव शक्ति मंदिर पार्क में निरंकारी संत समागम का आयोजन किया गया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता देहरादून (उत्तराखंड) से पधारे विद्वान महात्मा राजीव बिजलवान ने की। इस अवसर पर भिवानी एवं चरखी दादरी के निरंकारी श्रद्धालु एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। उपस्थित मानव समाज को संबोधित करते हुए बिजलवान ने फरमाया कि यदि हमें अपने जीवन को संवारना है तो हमें बाहर नहीं बल्कि अपने भीतर झांकना होगा । उन्होंने समझाया कि यदि हमारा मन स्वच्छ हो तो हर व्यक्ति में अच्छाई दिखाई देती है और यदि मन में द्वेष हो तो बुराइयां नजर आती है।

मनीराम हत्याकांड के दो आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। थाना सदर पुलिस भिवानी ने मनीराम हत्याकांड में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार रामनारायण निवासी गांव धारेडू, जिला भिवानी ने थाना सदर भिवानी में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके पिता मनीराम गांव स्थित श्याम बाबा मंदिर के बाहर प्रसाद की स्टॉल लगाते थे। 25 जून की सुबह उसकी माता एवं पिता दोनों मंदिर के बाहर प्रसाद बेच रहे थे। इसी दौरान उसे फोन पर सूचना मिली कि कुछ व्यक्तियों ने उसके पिता के साथ मारपीट करते हुए उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

एसआईआर अभियान में ली राष्ट्र निर्माण की शपथ

भिवानी। लोकतंत्र के महापर्व में प्रत्येक नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने और चुनावी प्रक्रिया के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से जिला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा एक विशेष पहल की गई है। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन तथा जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव प्रदीप कुमार के नेतृत्व में हिंदुस्तान गम्स एंड केमिकल में एसआईआर अभियान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का गरिमामयी आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान उपस्थित महिला मतदाताओं को मतदान के महत्व से रूबरू करवाया गया।

स्कूल परिसर को साफ-सुथरा, पानी की टंकियों की करनी होगी सफाई, मुखियाओं के चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों को निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद बुधवार से स्कूलों में होगी बच्चों की चहल-पहल

ग्रीष्मकालीन अवकाश खतम होने में महज तीन दिन का समय ही बचा है। बुधवार से स्कूलों में बच्चों की किल्कारी फिर से गुंजने लगेगी। विद्यार्थी छुट्टियां खतम होने के नजदीक होने की वजह से अब होमवर्क पूरा करने में जुटे है और कुछ विद्यार्थी स्कूल की तैयारी में लगे है। वहीं स्कूल प्रबंधन कमेटी ने भी अपनी तैयारी शुरू कर दी है। स्कूल मुखियाओं ने सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पत्र भेजकर सफाई करने के निर्देश दिए है। ताकि छुट्टियां खतम होते ही बच्चें स्कूलों में आए तो पूरा स्कूल परिसर व भवन साफ व सूथरे नजर आए। दूसरी तरफ भेजे निर्देशों में कहा गया है कि वे स्कूल परिसर की सफाई के साथ साथ पानी की टंकी की भी सफाई करें।

टंकी से निकाले गाद

पानी की टंकी का सारा पानी निकाल कर पौधों में डाल दे और उसमें जमी गाद व कचरे को बाहर निकाला जाए। ताकि 30 दिनों के दौरान जो पानी की टंकी में गंदगी जमी है। उसको निकालकर स्वच्छ पानी का स्टॉक हो सके। भेजे निर्देशों में कहा गया है कि इस मामले में किसी तरह की कोई ढिलाई व कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। अगर किसी भी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने इस मामले में कोई ढिलाई बरती तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

डयूल डेस्क करने होंगे साफ

भेजे निर्देशों में कहा गया है कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी स्कूल के भवन, परिसर की सफाई के साथ साथ क्लासरूम की भी सफाई करें। बच्चों के बैठने के लिए लगाए गए डयूल डैस्क की अच्छी तरह से सफाई करे। उनके अंदर झांक कर भी देखे कि उसमें कोई जहरीला कीड़ा या अन्य जीव तो नहीं है। प्रत्येक क्लासरूम के सभी डेस्कों की अच्छी तरह से जांच करें। उसके बाद ही क्लासरूम को बंद कर दे। ताकि 1 जुलाई को स्कूल खुलने पर बच्चे क्लासों में बैठ सके। इनके अलावा जिन क्लासों में डयूल डेस्क नहीं है। वहां पर बच्चों के बैठने के लिए फर्श को साफ करके बिछाए। इन मामलों में किसी तरह की कोई ढिलाई नहीं होनी चाहिए।

भिवानी। स्कूल के भवन का दृश्य। *फोटो: हरिभूमि*

नकल रहित परीक्षा ड्यूटी नहीं हमारा नैतिक कर्तव्य: डॉ. निर्मल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- डीईओ ने एचटेट परीक्षा के सफल संचालन को लेकर परीक्षा अधीक्षकों की ली बैठक

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा संचालित करवाई जाने वाली हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा को नकल रहित संपन्न करवाने एवं उसके सफल संचालन के लिए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया ने अधिकारियों की बैठक ली और बोर्ड द्वारा जारी हिदायतों से अवगत करवाया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. निर्मल दहिया ने कहा कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा 4 व 5 जुलाई को पीआरटी, टीजीटी व पीजीटी एचटेट परीक्षा को नकल रहीत परीक्षा करवाना हमारी ड्यूटी ही नहीं है, बल्कि हमारा नैतिक कर्तव्य बनता है, तभी हम बच्चों में अच्छी शिक्षा पैदा कर सकते हैं।

- चार व पांच जुलाई को होगी प्रदेश के सभी जिलों में एचटेट परीक्षा

डीईओ डॉ. निर्मल दहिया। *फाइल फोटो*

चरखी दादरी। जलघर का निरीक्षण करते चेयरमैन बक्शीराम सैनी। *फोटो: हरिभूमि*

भीषण गर्मी में नप चेयरमैन ने किया चम्पापुरी जलघर का निरीक्षण

- तपती गर्मी में शहर के किसी भी कोने में नहीं होनी चाहिए पानी की किल्लत: चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

प्रदेश में बढ़ रहे पारे और भीषण गर्मी के बीच आमजन को पानी की किल्लत से निजात दिलाने के लिए नगर परिषद चेयरमैन बख्शीराम सैनी पूरी तरह से एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। जनता को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चेयरमैन बख्शीराम सैनी ने शनिवार को चंपापुरी जलघर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने जलघर की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। चेयरमैन सैनी ने निरीक्षण के दौरान पेयजल सप्लाई में मिल रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए मौके पर ही जनस्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन सोहनलाल से बात की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि तपती गर्मी में शहर के किसी भी कोने में पानी की किल्लत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने एक्सईएन को सुचारू रूप से पेयजल सप्लाई सुनिश्चित करने और तकनीकी खामियों को तुरंत दूर करने के आदेश दिए। चंपापुरी जलघर के निरीक्षण के दौरान चेयरमैन सैनी ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जनहितैषी नेतृत्व की सराहना की।

ये रहे उपस्थित

उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ काम कर रही है। हमारे मुख्यमंत्री का संकल्प है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं बिना किसी बाधा के पहुंचे। अंत्योदय और सबका साथ-सबका विकास के मंत्र को साकार करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हमेशा जनता की समस्याओं को प्राथमिकता दी है। भीषण गर्मी के इस दौर में आमजन को राहत पहुंचाना हमारी सरकार का मुख्य ध्येय है। उनके मार्गदर्शन में चरखी दादरी नगर परिषद शहरवासियों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। चेयरमैन बख्शी राम सैनी ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा में किसी भी प्रकार की लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और किसी इलाके से पानी की किल्लत की शिकायत आती है तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे। इस मौके पर पार्षद प्रतिनिधि जतिन फोगाट व विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

ड्यूटी में गैरहाजिर अधिकारी व कर्मियों पर विभागीय कार्रवाई के निर्देश

हरियाणा राज्य भंडारण निगम के चेयरमैन ने किया गोदामों का निरीक्षण, रिकॉर्ड जांचा

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- चेयरमैन ने साफ-सफाई, रिकॉर्ड संधारण एवं अनाज के सुरक्षित भंडारण पर दिया विशेष जोर

हरियाणा राज्य भंडारण निगम के चेयरमैन रामकिशन शर्मा एडवोकेट ने शुक्रवार को भिवानी एवं चरखी दादरी जिले के हरियाणा राज्य भंडारण निगम के गोदामों एवं कार्यालयों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं, सा फ - स फा ई तथा अभिलेखों की गहन समीक्षा की। चेयरमैन ने निरीक्षण के दौरान आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया, वहीं ड्यूटी में लापरवाही एवं गैरहाजिर पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा में कुछ सुरक्षाकर्मी निर्धारित वर्दी के बिना ड्यूटी करते पाए गए, जिन्हें भविष्य में ड्रेस में ड्यूटी पर तैनात रहने के सख्त निर्देश दिए गए। वहीं गोदामों में सुरक्षित रखे अनाज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समय-समय पर आवश्यक दवाइयों का छिड़काव करने एवं नियमित निगरानी सुनिश्चित करने भी निर्देश दिए। उल्लेखनीय हैं कि हरियाणा राज्य भंडारण निगम के चेयरमैन रामकिशन शर्मा एडवोकेट ने भिवानी व चरखी दादरी जिले के भंडारण गोदामों व जिला कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जहां गोदाम में व्यवस्थाओं की खामियां मिली, वहीं जिला कार्यालय के औचक निरीक्षण में संबंधित अधिकारी व कर्मचारी अनुपस्थित मिले। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर एवं रिकॉर्ड की जांच के बाद चेयरमैन शर्मा ने संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

भिवानी। काठमंडी स्थित राज्य भंडारण निगम के गोदाम का निरीक्षण चेयरमैन रामकिशन शर्मा। *फोटो: हरिभूमि*

गोदाम परिसर में तत्काल सुधार के आदेश

भिवानी स्थित एक अन्य गोदाम के निरीक्षण में साफ-सफाई का अभाव मिलने, रिकॉर्ड संधारण एवं दस्तावेजों के रख-रखाव में काफी कमियां सामने आईं, जिस पर चेयरमैन रामकिशन शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल व्यवस्थाओं में सुधार करने, गोदाम परिसर की नियमित साफ-सफाई करने, रिकॉर्ड को अद्यतन रखने तथा सभी निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गोदामों में सुरक्षित रखे अनाज की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समय-समय पर आवश्यक दवाइयों का छिड़काव किया जाए ।

अनियमितता नहीं होगी बर्दाश्त: शर्मा

चेयरमैन रामकिशन शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र व हरियाणा की डबल इंजन सरकार किसानों एवं व्यापारियों को बेहतर सुविधाएं, पारदर्शी व्यवस्था एवं सुरक्षित भंडारण प्रणाली उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। सरकार का उद्देश्य कृषि उपज के सुरक्षित भंडारण, बेहतर प्रबंधन एवं जवाबदेह प्रशासन के माध्यम से किसानों एवं व्यापारियों का विश्वास और अधिक मजबूत करना है। शर्मा ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कर्मचारी विरोधी नीतियों के खिलाफ आंदोलन तेज करेगा सर्व कर्मचारी संघ: पिलानिया

बवानीखेड़ा। सर्व कर्मचारी संघ ब्लॉक बवानीखेड़ा की बैठक शनिवार को ब्लॉक प्रधान चाँद राम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में अशोक कुमार पिलानिया मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। राज्य सचिव अशोक कुमार पिलानिया ने कहा कि सरकार सार्वजनिक विभागों के निजीकरण की नीति अपनाकर विभिन्न कार्यों को आउटसोर्स के माध्यम से करवा रही है। इससे विभागों में बड़ी संख्या में कच्चे कर्मचारी कार्यरत हैं, जिन्हें स्थायी कर्मचारियों जैसी सुविधाएं और सुरक्षा प्राप्त नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था में ठेकेदारों और सरकार के बीच कच्चे कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। बैठक में सर्व कर्मचारी संघ ने सरकार से मांग की कि सभी कच्चे कर्मचारियों को नियमित करने की स्पष्ट नीति बनाई जाए।

डीसी ने लिया जल निकासी का जायजा

- जल निकासी प्रणाली व डी-सिल्टिंग और रखरखाव के लिए निर्धारित की ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

सरकार के निर्देशानुसार बरसात के मौसम मद्देनजर डीसी साहिल गुप्ता ने जिले में शहरी क्षेत्र में पानी निकासी प्रणाली की सफाई, गाद निकासी (डी-सिल्टिंग) तथा रखरखाव कार्यों की निगरानी के लिए अधिकारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी है। डीसी ने निर्देश दिए हैं कि संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में चल रहे कार्यों का मौके पर जाकर निरीक्षण करने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इसी प्रकार जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा भिवानी शहर एवं बवानीखेड़ा में किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण जिला नगर आयुक्त हरबीर सिंह करेंगे, जबकि लोहारू, तोशाम एवं सिवानी उपमंडलों में पीएचईडी के कार्यों का निरीक्षण संबंधित एसडीएम करेंगे।

भिवानी। बारिश के पानी के निकासी की व्यवस्था का जायजा लेते हुए।

एसडीएम को निरीक्षण की जिम्मेदारी

भिवानी शहरी क्षेत्र एवं बवानीखेड़ा में सफाई, डी-सिल्टिंग और ड्रेनेज रखरखाव कार्यों का निरीक्षण की जिम्मेवारी भिवानी के एसडीएम महेश कुमार को सौंपी गई है। एचएसवीपी द्वारा कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी सोमबीर कादयान करेंगे। नगर परिषद लोहारू एवं सिवानी क्षेत्र के कार्यों के निरीक्षण की जिम्मेवारी संबंधित एसडीएम को सौंपी गई है।

डॉ. विद्या सागर अस्पताल में नई लिफ्ट का उद्घाटन, मरीजों को मिलेगी राहत

भिवानी। डॉ. विद्या सागर चैरिटेबल अस्पताल में मरीजों एवं बुजुर्गों की सुविधा के लिए बेहद सराहनीय पहल की गई है। जामपुर सेवा समिति द्वारा संचालित अस्पताल परिसर में शनिवार को अत्याधुनिक लिफ्ट जनता को समर्पित की। लिफ्ट का निर्माण प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी नंदलाल बजाज एवं उनके परिवार ने अपनी माता वासदेवी व पिता गंगाराम बजाज की स्मृति में करवाया। शनिवार को आयोजित समारोह के दौरान स्वयं उद्योगपति व समाजसेवी नंदलाल बजाज ने मुख्यतिथि के रूप में शिरकत की और रिबन काटकर विधिवत रूप से लिफ्ट का उद्घाटन किया। इस आधुनिक सुविधा के शुरू होने से अब अस्पताल में आने वाले गंभीर मरीजों, दिव्यांगों और बुजुर्गों को ऊपरी मंजिलों पर जाने के लिए सीढ़ियों के कष्ट से मुक्ति मिलेगी।

30 को मिलकपुर में होगा रात्रि ठहराव कार्यक्रम

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में 30 जून को रात्रि ठहराव कार्यक्रम का आयोजन गांव मिलकपुर स्थित शहीद जोगिन्द्र सिंह राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल में किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर डीसी श्री गुप्ता द्वारा संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। सीटीएम अनिल कुमार ने बताया कि रात्रि ठहराव कार्यक्रम में डीसी ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की कार्यक्रम में परिवार पहचान पत्र, आय सत्यापन, फसल बीमा, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत, हैप्पी कार्ड, जनस्वास्थ्य, रेडक्रॉस, पीडब्ल्यूडी, पशुपालन, कृषि, उद्यान, मनरेगा, शिक्षा, आईटीआई, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अन्य विभाग योजनाओं की जानकारी देंगे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

संत कबीर प्रकट दिवस को लेकर तैयारी पूरी

भिवानी। संत शिरोमणि कबीर के 629वें प्रकट दिवस समारोह पर 29 जून को हुनमान गेट स्थित धानक पंचायत धर्मशाला में होने वाले समारोह की सभी तैयारियां पूरी कर ली। कार्यक्रम संयोजक पूर्व पार्षद हंसराज खनगवाल ने बताया कि

- 29 जून को धानक पंचायत धर्मशाला में होगा कार्यक्रम

कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में विधायक घ न श्या म दा स सर्राफ होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पार्षद एडवोकेट सज्जन खनगवाल करेंगे व विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक उपस्थित होंगे। उन्होंने बताया कि प्रकट उत्सव को लेकर भिवानी शहर व आसपास के गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया हुआ है।

बैठक मजदूरों के 90 दिन के कार्य सत्यापन का अधिकार यूनियनों को देने की मांग

मनरेगा कार्य के तहत सभी गांवों में 200 दिन का रोजगार व 800 रुपये प्रतिदिन मजदूरी की उठाई मांग

- भवन निर्माण कामगार यूनियन की जनसभा में 13 जुलाई के जिला स्तरीय प्रदर्शन की सफलता की रुपरेखा

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

भवन निर्माण कामगार यूनियन (सीटू) द्वारा दादरी ब्लॉक के गांव पैंतावास कला, कासनी, खेड़ीबत्तर, तिवाला, झोझूकला एवं डोहका दीना में निर्माण मजदूरों के मोहल्लों में जनसभाओं का आयोजन किया। सभाओं की अध्यक्षता यूनियन के जिला संयोजक सुमेर सिंह धारणी ने की। यूनियन के राज्य महासचिव कामरेड सुखबीर सिंह ने कहा कि जुलाई 2025 में हरियाणा भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की वेबसाइट बंद कर दी थी। उस दौरान मजदूरों पर घोटालों के आरोप लगाए, जबकि वास्तव में मजदूर स्वयं लूट एवं धोखाधड़ी के शिकार हुए। कामरेड सुखबीर ने कहा कि अब विभाग भी इसकी जिम्मेदारी मजदूरों पर डाल रहा है, जबकि मजदूरों की कोई गलती नहीं है।

चरखी दादरी। भवन निर्माण कामगार यूनियन की जनसभा को संबोधित करते राज्य महासचिव कामरेड सुखबीर सिंह। *फोटो: हरिभूमि*

तत्काल बहाल किया जाए पात्रों का पंजीकरण

वहीं पात्र मजदूरों का पंजीकरण तत्काल बहाल किया जाए व वेबसाइट बंद रहने के कारण मजदूर आवेदन नहीं कर सके, उन्हें विशेष अवसर देकर योजनाओं का लाभ दिया जाए। 90 दिन के कार्य सत्यापन का अधिकार यूनियनों को दिया जाए। सभी गांवों में मनरेगा के कार्य तुरंत शुरू किए जाएं तथा 200 दिन का रोजगार और 800 रुपये प्रतिदिन मजदूरी सुनिश्चित की जाए। वक्ताओं ने सभी निर्माण मजदूरों से 13 जुलाई को जिला मुख्यालय चरखी दादरी पर प्रदर्शन में भारी संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। इस मौके पर ब्लॉक कोषाध्यक्ष रोशनलाल धारणी, रामनिवास, अमरजीत पैंतावास कला, सतीश कुमार तिवाला, रविन्द्र खेड़ी बत्तर, पिंकी झोझूकलां, जगदीश व सुनील डोहका दीना आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

मन-जीवन को कर रहा अशांत
सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस

{ कवर स्टोरी / डॉ. मोनिका शर्मा }

कभी किसी परिचित के सुंदर घर की तस्वीर तो कभी किसी फ्रेंड के विदेश घूम आने के अपडेट, वर्चुअल दुनिया में जुड़े किसी अनजान वर्चुअल मित्र ने अचानक अपना लुक बदल लिया, तो किसी के बच्चों की कमाल की उपलब्धियां। सब कुछ स्क्रीन के जरिए हम तक पहुंचता रहता है। हर उम्र के लोगों में लगातार सोशल मीडिया पर अपडेट रहने और दूसरों को अपडेट करने की सोच बढ़ रही है। इस वजह से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के नोटिफिकेशन की टोन कई बार मन को बेचैन करने वाली दस्तक-सी लगने लगती है। दूसरों के लुक्स, करियर, महंगे शौक और एडवेंचरस ट्रिप्स को देखकर मन में कमतरी के भाव आने लगते हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी के भी जीवन की हकीकत इतनी सुंदर-सहज नहीं होती है, जितनी सोशल मीडिया पर दिखती है। ऐसे में बनावटी-सजावटी आभासी दुनिया के बहकावे में आने के बजाय अपने मन-जीवन को साधना जरूरी है।

बढ़ने लगी है तुलनात्मक प्रवृत्ति

आज के दौर में स्क्रीन के जरिए दस्तक देता कंटेंट, हर उम्र के लोगों को कमतरी और बेहतरी के जाल में उलझा रहा है। शुभ कार्य हों या कोई व्यक्तिगत उपलब्धि, आभासी दुनिया में अजीब से नाप-तौल वाले मनोभावों से देखी, समझी और स्वीकारी जाने लगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लेकर फैमिली ग्रुप्स में शेयर की जाने वाली सूचनाओं और क्लिक्स तक, हर बात और जज्बात तुलना करने की सोच की ओर धकेल रहा है। इसके चलते मन में आने वाली अनचाही तल्खी, व्यावहारिक जिंदगी की भरपूर समझ होने के बावजूद, दिलो-दिमाग को बोझिल कर रही है। सुंदरता, सहृदयता और संपन्नता की जो चमक स्क्रीन पर तैरते अपडेट्स में दिखती है, वही जीवन का सच नहीं है, यह जानते-बूझते हुए भी रंग-रूप, कद-काठी और उपलब्धियों से लेकर खुशियों और उत्सवीय रंग-ढंग तक एक असंतोष की भावना पनप रही है। ध्यान रहे कि सोशल मीडिया के जरिए क्लिक भर में आप तक पहुंच जाने वाले कंटेंट से तुलना का भाव स्वयं यूजर्स में तो बढ़ ही रहा है। बाजार ने भी इसे बढ़ाया है क्योंकि यह भी एक तरह की मार्केटिंग स्ट्रेटेजी ही है।

गहरा होता है कमतरी का भाव

जाने-अनजाने लोगों के अपडेट्स देखकर पैदा हो रहा तुलना का भाव, खुद के जीवन में कमियां देखने को प्रेरित कर रहा है। इसके चलते हमारा मन रिश्तों, जीवनशैली और अपने हिस्से आए स्नेह-सम्मान की भी अनदेखी करने लगता है। नतीजतन जिंदगी की नेमतों को लेकर शुक्रिया कहने के भाव की जगह शिकायतों ने ले ली है। नोटिफिकेशन टोन के साथ पल-पल में अवतरित होते संदेश, सूचनाएं, चित्र, असंतुष्टि भरी सोच और बेचैनी भी साथ लाते हैं। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि वर्चुअल दुनिया में अपने दोस्तों, रिश्तेदारों और दूसरे जाने-अनजाने चेहरों के अपडेट्स हर उम्र के लोगों के लिए व्यक्तिगत जीवन में असंतुष्टि की बड़ी वजह बन रहे हैं। स्मार्ट गैजेट्स की स्क्रीन के जरिए अमूमन अपनों-परायों तक अपनी कमियां, कमजोरियां और दिल की कसक नहीं पहुंचाई जाती। यह जानते-समझते हुए भी दूसरों के चमकदार, सफल और सुखी दिखते जीवन की वर्चुअल आभा में खुद को कहीं कमतर महसूस करने का भाव पनपने लगता है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर सोशल मीडिया पर लोग अपने बारे में सकारात्मक जानकारी ही प्रस्तुत करते हैं। फिल्टर्स का उपयोग करके अपनी उपस्थिति को और प्रभावी बना देते हैं। इसके चलते यह लगने लगता है कि हमारे मित्र या संबंधी कितने सुंदर हैं! कितने सफल हैं! इससे कई बार ऐसा भी लगने लगता है कि हमारे अलावा सब के पास सब कुछ है, सब बहुत खुश और संतुष्ट हैं, जबकि यह एक आभासी सोच भर होती है।

खो रहीं सहज-सी खुशियां

लगातार मिलने वाले सोशल मीडिया नोटिफिकेशंस के जरिए इंसानी व्यवहार और विचार में चाहे-अनचाहे स्क्रीन पर दिखी तस्वीरों, सूचनाओं और उपलब्धियों का ही लेखा-जोखा रहने लगता है। ऐसे में हम उस सुख को भी भूल जाते हैं, जो हमारी झोली में मौजूद होते हैं। इसकी वजह यह भी है कि वास्तविक दुनिया में तुलना करने के दायरे में बहुत कम लोग शामिल होते हैं। सोशल मीडिया का डिजिटल यूनिवर्स, दूसरों के साथ तुलना करने की स्थितियों को कई गुना बढ़ा देता है। समझना जरूरी है कि दूसरों की जिंदगी के वर्चुअल अपडेट्स में दिखने और होने के फर्क को समझते हुए अपने जीवन की सहजता को बनाए रखिए। अपनी खुशियों को जीने से दूरी मत बनाइए। *

सही नहीं सबका पीछा करना

दूसरों के मीडिया अपडेट्स के चलते मन में आ रही खिन्नता लोगों को उनका फॉलोअर बना देती है। हम हरदम यह जानने की कोशिश में लगे रहते हैं कि उनके ताजा अपडेट्स क्या हैं? आज उनकी क्या गतिविधियां हैं? अन्य लोग उनकी कैसे और कितनी सराहना कर रहे हैं? दूर बैठे लोगों की जिंदगी का पीछा करने की सोच से ऐसी बातों के चलते खुद आपके जज्बात बदलने लगते हैं। मन-जीवन में असंतोष भरी स्याह उदासी जगह बना लेती है। यहां तक कि ईर्ष्या का भाव भी पनपने लगता है। सोचने वाली बात यह है कि यह सब होने की कोई वास्तविक वजह ही नहीं होती है। सोच-समझकर दी गई जानकारियां और बना-संवारकर साझा की गई तस्वीरें लोगों को हैरान-परेशान करती हैं, जबकि खुद उनके ही द्वारा साझा की जा रही सामग्री के इतर उनके जीवन की असलियत का दूसरों को कोई अंदाजा ही नहीं। ऐसे में यह आदत बेवजह आपकी ऊर्जा और समय खपाने लगती है। सोशल मीडिया का उपयोग यूजर्स जिस इरादे से करते हैं, उनके मन-मस्तिष्क पर वैसा ही असर पड़ता है। बिना सोचे-समझे दूसरों के अपडेट्स के इंतजार में स्क्रीन स्क्रॉल करने से अवसाद और घबराहट पैदा होती है। जिन लोगों के अपडेट्स मन में भटकाव या नकारात्मक भाव लाते हैं, उन्हें अनफॉलो कीजिए। चिंतित और उदास महसूस करवाने वाले कंटेंट से दूरी बनाएं। वर्चुअल दुनिया हो या असल संसार औरों से ज्यादा अपनी जिंदगी में रुचि रखिए।

स्पेशलः वर्ल्ड सोशल मीडिया-डे, 30 जून

आज के दौर में अधिकांश लोग किसी न किसी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं। लेकिन हाल के सालों में देखने में आ रहा है कि इन पर दिन में कई-कई बार आने वाले नोटिफिकेशंस से लोगों का मन-जीवन बेचैन और अशांत होता जा रहा है। इसके पीछे क्या वजहें हैं, इनका क्या प्रभाव पड़ता है और इनसे कैसे बच सकते हैं, आपको जरूर जानना चाहिए।

भारत के सरकारी स्पेस इंस्टीट्यूट इसरो की उपलब्धियां तो जगजाहिर हैं ही, अब इसी के नक्शेकदम पर चलते हुए कई स्पेसटेक निजी कंपनियां भी देश-दुनिया में अपनी धाक जमा रही हैं। स्पेसटेक के क्षेत्र में नित नई ऊंचाई हासिल कर रही देश की प्राइवेट स्पेसटेक कंपनियों की अचीवमेंट पर एक नजर।

अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहीं देश की निजी स्पेसटेक कंपनियां

{ अचीवमेंट / संजय श्रीवास्तव }

हाल में 'गैलेक्सआई' द्वारा मिशन दृष्टि नामक दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह सफलतापूर्वक लॉन्च करने के बाद दुनिया भर की मीडिया में भारत की निजी स्पेस कंपनियों की कम लागत के साथ तकनीकी दक्षता तथा इस आधार पर वैश्विक अंतरिक्ष बाजार में उनकी तीव्र बढ़त की चर्चा हो रही है।

गैलेक्सआई ने रचा इतिहासः जब भारत ने 'मिशन दृष्टि' के तहत 190 किलो वजनी दुनिया का पहला ऑप्टोसार उपग्रह अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित वैंडेनबर्ग स्पेस फोर्स बेस से स्पेसएक्स के फाल्कन 9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित किया, तब बहुतों ने गैलेक्सआई का नाम पहली बार सुना। देश ने स्पेस तकनीकी क्षमता का लोहा वैश्विक स्तर पर मनवाया हो और खबरों में इसरो की जगह देश के सबसे बड़ा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह बनाने वाली किसी ऐसी निजी कंपनी का नाम सुर्खियों में शामिल हो, जिसके अस्तित्व में आए महज पांच साल हुए हैं, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इतने कम समय में यह अनूठी सफलता हासिल कर इसने बता दिया है कि भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की प्रगति कितनी तेज गति से हो रही है।

बहुपयोगी है इसकी तकनीकः गैलेक्सआई द्वारा लांच मिशन दृष्टि की ऑप्टोसार तकनीक में इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल यानी ईओ और सिंथेटिक, पर्चर रडार या एसएआर सेंसर को एक ही प्लेटफॉर्म पर जोड़ा गया है। इस संयोजन के कारण यह उपग्रह हर मौसम और दिन-रात में डेटा संग्रह करने में सक्षम है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है। वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और कुछ यूरोपीय देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन रणनीतिक दृष्टि से 'गेम चेंजर' ऑप्टोसार तकनीक जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह उपग्रह सेना को डेढ़ मीटर के दायरे में सीमा पार की सटीक जानकारी देगा। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय यह त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार 'मिशन दृष्टि' ड्यूल-यूज टेक्नोलॉजी का उत्कृष्ट उदाहरण है, जिससे नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होंगे।

कई और कंपनियां भी हैं एक्टिवः गैलेक्सआई तो महज एक उदाहरण है, देश में इसरो के साथ मिलकर काम करने वाली कॉमर्शियल स्पेस इंडस्ट्री स्टैब्लिश हो चुकी है। अनुमान है कि फिलवक्त निजी क्षेत्र में 400 स्पेसटेक स्टार्टअप काम कर रहे हैं। 150 से ज्यादा कंपनियां छोटे उपग्रह, लॉन्च व्हीकल्स, अर्थ ऑब्जर्वर और एआई एनालिटिक्स आदि पर शानदार काम कर रही हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस, जिसने निजी क्षेत्र का पहला सफल रॉकेट विक्रम एस. बनाया और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग में वैश्विक पहचान बनाने वाली पिक्सेल कंपनी से सभी परिचित हैं। अग्निकुल कॉस्मॉस, जो थ्री-डी प्रिंटेड इंजन अग्निलेट का निर्माण कर सुर्खियों में आई थी, अब उपग्रहों के लिए स्पेसएक्स की स्पेस बस की अवधारणा से उलट एक स्पेस 'टैक्सी' बनाना चाहती है। थ्री-डी प्रिंटरों का उपयोग करके, यह फॉलकन 9 से छोटे और दोबारा इस्तेमाल होने वाले रॉकेट बनाने की सोच रहा है, जिन्हें ग्राहक की इच्छानुसार कहीं से भी लॉन्च किया जा सकता है और उनके उपग्रह को ठीक उसी कक्षा में सटीकता से स्थापित किया जा सकता है, जिसकी उसे जरूरत है। मुमकिन है कि इस साल के अंत तक वह लक्ष्य पा लें। दिगांत्रा कंपनी एक कक्षीय हवाई-यातायात नियंत्रक के रूप में काम कर रही है, जो विभिन्न कंपनियों के उपग्रहों के अंतरिक्ष मलबे से टकराने के जोखिम की निगरानी में मदद करती है।

हो रहा वैश्विक प्रसारः देश की ये स्पेसटेक कंपनियां देश से बाहर भी अपनी धाक जमा रही हैं। आज पिक्सेल नासा के साथ डेटा साझेदारी कर रही है, तो स्काईरूट अंतरराष्ट्रीय ग्राहक लॉन्च सेवाएं दे रही है और ध्रुव स्पेस ग्लोबल सैटेलाइट सेवाओं में आगे है। इसी तरह तमाम निजी स्पेस कंपनियां विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रही हैं यानी शोधरत हैं। भारतीय प्राइवेट स्पेस कंपनियों की बढ़ती प्रसिद्धि के पीछे कारण यह है कि भारतीय स्पेसटेक कंपनियों का मॉडल 'कम लागत पर उच्च-दक्षता नवाचार' पर आधारित है। स्पेस टेक की दिशा में भारत अब 'सेवा प्रदाता' से 'तकनीक प्रदाता' बन रहा है। इसीलिए उम्मीद की जा रही है कि भारतीय स्पेसटेक व्यापार 2030 तक 40 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

भूल गए हैं लोग सलीका

भूल गए हैं लोग सलीका आमंत्रण का,
भाव नहीं दिखता आंखों में अपनेपन का।
भरमाने वाले पेड़ों की भीड़ लगी है,
मोल नहीं होता कानन में अब चंदन का।
याद किसी की आने पर सर दीवारों से
टकराए तो दोष नहीं होता दरपन का।
इकदिन उम्र ढला करती है सबकी जग में,
धीरे-धीरे रंग उतरता है आनन का।
साथ न हो गर मन का मीत सफर में 'नवरंग'
लगने लगता है हर मौसम फिर बेमन का।

{ व्यंग्य / सूर्यदीप कुशवाहा }

मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है।

शादी का झमेला

आजकल समाज में शादी-ब्याह केवल दो आत्माओं का मिलन नहीं, बल्कि दो परिवारों के बैंक बैलेंस, प्रतिष्ठा और धैर्य की परीक्षा का महायज्ञ बन गया है। यह वह अवसर होता है, जब एक अदना-सा इंसान अचानक शादी समारोह प्रबंधक बन जाता है और अपनी सारी जमापूंजी, साख और यहां तक कि भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए रखी गई पूंजी भी एक रात के दिखावे में झोंक देता है।

समारोह में दुल्हन को इतना पेंट किया जाता है कि पेंट किया हुआ घर भी फीका दिखने लगता है। चेहरे पर पुताई की इतनी परतें होती हैं कि अगर दुल्हन को छींक आ जाए, तो आस-पास के लोग उस गुबार से लाल हो जाएं। इसे ब्राइडल ग्लो कहा जाता है, जो सुबह होते ही वॉटरप्रूफ न होने की स्थिति में बह जाता है। आम धारणा है कि दुल्हन का लहंगा भी उतना ही भारी होना चाहिए, जितना दुल्हन के पिता का सिर कर्ज के बोझ से भारी हो जाता है।

शादी समारोह अब रिश्तों का उत्सव कम और कॉम्पिटिशन ज्यादा बन गया है। पड़ोसी की बेटी की शादी में पचास पकवान थे, तो हमें शुभ इक्यावन करने ही होंगे। चाहे इसके लिए पिता को क्यों न बैंक से लोन लेना पड़े। लगन के इस मौसम में सबसे ज्यादा प्रभाव उस मध्यमवर्गीय पिता पर होता है, जो तीन घंटे के दिखावे के लिए तीस साल की कमाई स्वाहा कर देता है। मेहमानों को खिलाने के लिए मेनू में तरह-तरह के व्यंजन होते हैं, जिसमें से अधिकतर मेहमान केवल वही स्पेशल डिश खाते हैं, जो उनके घर में नहीं बनते हैं। मेहमान इन पकवानों पर ऐसे टूट पड़ते हैं, जैसे इसके बाद कभी उन्हें खाना मिलेगा ही नहीं। एक तरफ मेहमान पकवान उड़ाते हैं, उधर लड़की के बाप का बीपी बढ़ता जाता है। यह ऐसा मेला है, जहां रिश्तेदार यह देखने आते हैं कि हलवाई ने पनीर की सब्जी में पनीर डाला था या सिर्फ ग्रेवी? वास्तव में शादी में आए मेहमानों का मुख्य उद्देश्य दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद देना नहीं, बल्कि समारोह में कमियां उघाड़ना होता है। बिना बात नाराज होने वाले दूल्हे के फूफाजी अगर पनीर के चार टुकड़े खा लें तो यह उनकी दयालुता मानी जाती है। ये वही लोग होते हैं, जो अपनी बेटी की शादी में सबसे कंजूसी करते हैं, लेकिन दूसरे की शादी में फाइव स्टार होटल जैसी सुविधा चाहते हैं। इनके लिए शादी एक फ्री फूड फेस्टिवल होता है, जहां वे वीआईपी बन अपनी पसंद का खाना न मिलने पर दुल्हन के पिता को कोस और लताड़ सकते हैं। लेकिन समारोह का असली मजा या सजा सड़क पर बारात के रूप में मिलता है। डीजे वाले बाबू चाहे कैसा भी गाना बजाएं, बारातियों को तो बस वही एक स्टेप आता है-नागिन डांस। ऐसा लगता है जैसे सांपों ने पूरी बारात को डस लिया हो। दूल्हा घोड़ी पर बैठा ऐसे मुस्कुराता है, जैसे उसने देश के लिए स्वर्ण पदक जीता हो, जबकि सच्चाई यह है कि वह कुछ ही देर में स्वतंत्रता से परतंत्रता की ओर कदम बढ़ाने वाला होता है।

हर कोई चाहता है कि उसकी शादी यादगार हो। शायद इसीलिए आज के दौर में शादी समारोह समाज के सामने अपनी औकात बताने का एक जरिया बन गया है। शादी के बाद दूल्हा-दुल्हन शान से नई कार में घूमते हैं और पीछे दुल्हन के पिता उस कार की ईएमआई भरते हैं। इसे ही लड़की का बाप कहते हैं। *

{ पुस्तक चर्चा / मेनका त्रिपाठी }

संवेदना-संघर्ष का कथालोक

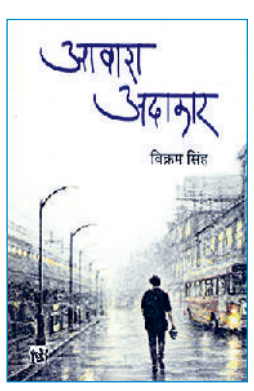

हाल में प्रकाशित हुआ विक्रम सिंह का कहानी-संग्रह 'आवारा अदाकार' समकालीन जीवन की जटिलताओं, विडंबनाओं और मानवीय संघर्षों के दस्तावेज की तरह है। उनकी कहानियों में एक ओर यथार्थ की खुरदुरी जमीन दिखाई देती है, तो दूसरी ओर कल्पना की ऐसी ऊंचाई भी, जो साधारण जीवन को अर्थपूर्ण बना देती है। यही कारण है कि उनकी कहानियां केवल घटनाओं का विवरण नहीं लगतीं, बल्कि पाठक के भीतर संवेदना और विचार दोनों को जगाती हैं।

लेखक ने खाड़ी देशों में संघर्षरत मजदूरों की पीड़ा, कोरोना काल की त्रासदी, बेरोजगार युवाओं की बेचैनी, इंटरनेट ठगी और आभासी रिश्तों के खोखलेपन जैसे समकालीन विषयों को अत्यंत संवेदनशीलता से उठाया है। वे केवल दुख की दास्तां नहीं सुनाते, बल्कि जीवन की कठोर परिस्थितियों के बीच मनुष्य की जिजीविषा और छोटे-छोटे सुखों की तलाश को भी रेखांकित करते हैं। उनकी भाषा सहज, प्रवाहपूर्ण और आज के जीवन के जीवंत मुहावरों से भरपूर है। संवादों में स्वाभाविकता है, जिससे पात्र पाठक के बेहद करीब आ जाते हैं। हालांकि, विविध विषयों के कारण कहीं-कहीं कथ्य का हल्का बिखराव दिखाई देता है, फिर भी उनकी रचनात्मक ईमानदारी और मानवीय दृष्टि इस कमी को ढंक लेती है। *

पुस्तकः आवारा अदाकार (कहानी संग्रह), **लेखकः** विक्रम सिंह,
मूल्यः 250 रुपए, **प्रकाशकः** लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 28 जून 2026

{ टूरिस्ट प्लेसेस / समीर चौधरी }

बाली-मालदीव जैसे ही अमेजिंग हैं ये भारतीय द्वीप-समुद्र तट

खूबसूरत समुद्र तट और द्वीपों का शानदार नजारा देखने के लिए अनेक टूरिस्ट, बाली या मालदीव का रुख करना पसंद करते हैं। जबकि अपने देश भारत में भी कुछ ऐसे द्वीप और समुद्र तट मौजूद हैं, जो किसी मायने में बाली-मालदीव से कम नहीं हैं। कौन से हैं ये अमेजिंग टूरिस्ट प्लेसेस और क्या हैं इनकी खासियतें, जानकर आप भी इनका दीदार करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

मिनी मालदीव जैसा तर्कारली-मालवण, महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कोंकण तट पर तर्कारली व मालवण को महाराष्ट्र का मिनी मालदीव भी कहा जाता है। दरअसल, यहां का साफ पानी पर्यटकों का मन मोह लेता है। सिंधुदुर्ग जिले में स्थित यह तट सी बीचेज, शांत बैकवाटर्स के लिए जाना जाता है। यहां स्कूबा डाइविंग, स्नोरकेलिंग या पैरासेलिंग जैसे वाटर स्पोर्ट्स और एक्टिविटीज बहुत कम खर्च में उपलब्ध हैं। तर्कारली में आपको स्थानीय कोंकणी संस्कृति देखने को मिलेगी। सिंधुदुर्ग किले में बोट राइड्स का आनंद लिया जा सकता है। यहां के स्थानीय रेस्तराओं में मालवणी सीफूड थाली का लुत्फ उठाया जा सकता है। यहां पहुंचने के लिए सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कुडाल और सिंधुदुर्ग हैं। यह स्थल गोवा एयरपोर्ट से कुछ ही घंटों के फासले पर है। *

शांत समुद्री किनारे वाला स्वराज द्वीप, अंडमान

स्वराज द्वीप (पुराना नाम-हेवलॉक द्वीप) आपको जीवंत ट्रॉपिकल द्वीप का अनुभव प्रदान करता है। यह अंडमान व निकोबार द्वीप समूह का हिस्सा है और अपने शानदार सी बीचेज के लिए विख्यात है। यहां गोताखोरी का आनंद खूब लिया जाता है। यहां जंगलों से भरे समुद्र के किनारे हैं और वातावरण बिल्कुल शांत रहता है। इस द्वीप का मुख्य आकर्षण राधानगर बीच है, जो अपने सफेद रेत के कारण एशिया के सबसे आकर्षक सी बीचेज में गिना जाता है। यहां डूबते हुए सूरज का नजारा देखने लायक होता है। पर्यटक यहां विभिन्न वाटर स्पोर्ट्स का भी मजा ले सकते हैं। यहां जाने का सबसे आसान रास्ता यह है कि पोर्ट ब्लेयर के अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर फ्लाइट से उतरने के बाद स्वराज द्वीप के लिए फेरी ले ली जाए, जो डेढ़ से ढाई घंटे के बीच में आपको द्वीप पर पहुंचा देगी। *

मालदीव का एहसास कराता लक्षद्वीप

भारत में मालदीव से सबसे अधिक मिलती-जुलती जगह लक्षद्वीप है। छोटे-छोटे कोरल द्वीप, नीले रंग के शानदार शेड्स में छोटे-छोटे लगून और भीड़-भाड़ से दूर सफेद रेत के समुद्र तट। ये सब समानताएं एकदम मालदीव में होने का एहसास कराती हैं। अरब सागर में केरलम के तट पर फैला हुआ लक्षद्वीप 36 कोरल द्वीपों से बना हुआ है, हालांकि इनमें से कुछ द्वीप ही पर्यटकों के लिए खुले हुए हैं। अगत्ती, बंगाराम और थिन्नाकारा द्वीपों पर लोग अधिक जाना पसंद करते हैं, विशेषकर वे टूरिस्ट, जो शांत, एकांत में स्टे को प्राथमिकता देते हैं। यहां आप कोरल रीफ पर स्नोरकेलिंग, शांत लगूनों में कयाकिंग, स्कूबा डाइविंग के जरिए फिश के साथ गोता लगाते हुए या समुद्र के किनारे चहलकदमी करने का आनंद ले सकते हैं। लक्षद्वीप पहुंचने के लिए अगत्ती मुख्य प्रवेश द्वार माना जाता है क्योंकि द्वीपों के इस समूह में केवल यहीं पर एकमात्र एयरपोर्ट है। कोच्ची से यहां पहुंचने में लगभग 90 मिनट की हवाई यात्रा करनी होती है। *

पर्यटकों-योगप्रेमियों के लिए जन्नत के जैसा गोकर्ण, कर्नाटक

कर्नाटक में स्थित गोकर्ण, दिलकश तटीय आकर्षण से आध्यात्मिकता का मिलन कराता है। यहां महाबलेश्वर मंदिर साल भर भक्तों को आकर्षित करता है और शांत बीच जैसे ओम, कुड्ले व हाफ मून पर्यटकों और योग प्रेमियों के लिए जन्नत हैं। यहां आप चट्टानों के पास वाकिंग, बीचसाइड कैफे में खाने-पीने के साथ वाटर स्पोर्ट्स का आनंद ले सकते हैं। अरब सागर के किनारे रिलैक्स भी कर सकते हैं। गोकर्ण का ग्रामीण एहसास इसे और अनोखा बना देता है। *

बाली के सर्फ-टाउन जैसा नजारा वर्कला, केरलम

जो पर्यटक बाली की सर्फ-टाउन एनर्जी से आकर्षित होते हैं, उन्हें वर्कला में लगभग वही वातावरण मिलेगा। यह केरलम के दक्षिणी तट पर स्थित है। यह टाउन लाल चट्टानों के इर्द-गिर्द बसा हुआ है, जहां के होमस्टे से अरब सागर का नजारा मिलता है। उत्तरी चट्टान क्षेत्र, समय गुजारने के लिए सबसे अच्छी जगह है। यहां स्मूदी कैफे, सफर स्कूल, आयुर्वेदिक मसाज केंद्र और रूफटॉप स्पॉट्स हैं, जहां शाम गुजारते हुए आनंद आ जाता है जो रात तक जारी रहता है। सर्फिंग वर्कला की पहचान बन गई है। यहां आने वाले पर्यटक बाली की तरह ही सप्ताह भर का सर्फ व स्टे पैकेज लेते हैं। यहां तक पहुंचने के लिए करीबी रेलवे स्टेशन वर्कला सिवगीरी है। *

अनिश्चित परिस्थितियों में ऐसे रहें आर्थिक रूप से सुरक्षित

{ अवेयरनेस / शिखर चंद जैन }

हालांकि ईरान-अमेरिका में अभी युद्ध विराम चल रहा है, लेकिन अभी भी परिस्थितियां अनिश्चित बनी हुई हैं। ऐसे में आने वाले दिनों में आर्थिक परिदृश्य क्या होगा, कुछ नहीं कहा जा सकता। इसलिए समझदारी इसी में है अपनी आर्थिक योजनाएं समझदारी से बनाई जाएं। आपके लिए उपयोगी सलाह।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की हालिया रिपोर्टों और कई अर्थशास्त्रियों के अनुसार, मध्य-पूर्व में हुए युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है। अगर आने वाले दिनों में शांति बरकरार रहती है तो भी आर्थिक दशा पहले जैसी होने में कई महीने से लेकर कुछ साल लग सकते हैं। ऐसे में व्यक्तिगत आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए कुछ बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

मुद्रास्फीति का प्रभाव: युद्ध और आपूर्ति श्रंखला में रुकावटों के कारण ऊर्जा, खाद्य और अन्य आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी का रुख है। आमदनी का बड़ा हिस्सा खर्च होने से बचने के लिए बजट में कटौती और गैर-जरूरी खर्चों को रोकना जरूरी है।

इमरजेंसी फंड: आर्थिक मंदी या नौकरी के संकट के समय कम से कम 6 से 12 महीने का मासिक खर्च इमरजेंसी फंड में रखना चाहिए। इसे आसानी से निकाले जा सकने वाले साधनों या सेविंग एकाउंट में रखना बहुत उपयोगी होता है।

सुरक्षित निवेश: संकट के समय शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव आते हैं। जैसा पिछले तीन महीने तक लगातार चले युद्ध के दौरान हम सबने देश-दुनिया में देखा। ऐसे में वित्तीय सलाहकार गोल्ड या सॉवरेन बॉन्ड जैसे सुरक्षित और स्थिर निवेश विकल्पों को पोर्टफोलियो का हिस्सा बनाने की सलाह देते हैं।

लोन-ईएमआई का प्रबंधन: बढ़ती ब्याज दरों के कारण लोन की किस्तें बढ़ सकती हैं। इसलिए सबसे पहले महंगे कर्ज (जैसे पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बकाया) को चुकाना चाहिए ताकि मासिक बोझ कम हो सके। इससे आप काफी राहत महसूस करेंगे।

स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग: वैश्विक तनाव के कारण विदेशों से आयातित सामानों की कीमत और उपलब्धता प्रभावित हो जाती है। साथ ही देश की मुद्रा भी प्रभावित होती है। इसलिए अपने दैनिक जीवन और व्यापार में स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाना सुरक्षित रहता है। इसलिए देश में बनने वाली चीजें ही खरीदें।

आय के नए स्रोत अपनाएं: नौकरी जाने से होने वाले संकट से बचने के लिए स्किल्स को अपग्रेड करते रहें और फ्रीलांसिंग, निवेश या ऑनलाइन माध्यमों से आय के अतिरिक्त स्रोत बनाने पर ध्यान दें, ताकि आय का एक स्रोत बाधित हो तो दूसरे का सहारा मिले।

महंगी देनदारियों से छुटकारा पाएं: हाई इंट्रेस्ट वाले लोन, जैसे क्रेडिट कार्ड का बकाया या पर्सनल लोन में आपकी मेहनत की कमाई का एक बड़ा भाग खर्च होता है और आपकी बचत कमजोर होती है। ऐसे में आप इन उच्च ब्याज वाले कर्ज का भुगतान जल्द से जल्द करें। इससे जो पैसा आप ब्याज बचाने में लगाते हैं, उसे रिटायरमेंट फंड में निवेश किया जा सकता है।

पर्याप्त बीमा कवर करें: अचानक कोई बीमारी या दुर्घटना होने पर किसी पर भी भारी आर्थिक बोझ पड़ जाता है। इससे राहत के लिए टर्म लाइफ इंश्योरेंस और हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज जरूर लेना चाहिए।

समय के साथ रिटायरमेंट फंड बढ़ाएं: महंगाई दर समय के साथ पैसे के मूल्य को कम करती है। आपकी लाइफस्टाइल और खर्च रिटायरमेंट के समय तक बढ़ जाएंगे। इसलिए अपनी रिटायरमेंट योजना की नियमित रूप से समीक्षा करें (कम से कम सालाना)। जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती है (वेतन वृद्धि, बोनस), अपने मंथली रिटायरमेंट इन्वेस्टमेंट फंड को भी बढ़ाएं।

कहने का सार है कि इस दौर में सही इंवेस्टमेंट, सेविंग्स और बजट से ना केवल आपको फाइनेंसियल सिक्योरिटी मिलेगी, बल्कि फ्यूचर की कई परेशानियों से भी बचा जा सकता है। *

(वित्तीय सलाहकार प्रदीप अग्रवाल और चार्टर्ड एकाउंटेंट शुभम तोदी से बातचीत पर आधारित)

दुनिया की सबसे खूबसूरत नदियां

{ प्रकृति / अंजू जैन }

देश-दुनिया में अनेक ऐसी नदियां हैं, जो अपनी विविध उपयोगिताओं के साथ-साथ अपने अद्भुत सौंदर्य के लिए भी जानी जाती हैं। विश्व की कुछ सबसे खूबसूरत नदियों के बारे में जानिए।

नदियां इस धरती पर मानव सभ्यता के विकास का केंद्र रही हैं। इसके अलावा यातायात का अनूठा मार्ग होने के साथ ही ये किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इसके अलावा कई शहरों में पेय जल की आपूर्ति और सिंचाई के लिए भी नदियों का उपयोग सदियों से होता आ रहा है। इन खूबियों के अलावा देश-दुनिया भर में कई नदियां अपनी प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक महत्व और अद्भुत पारिस्थितिकी के लिए भी जानी जाती हैं।

कानो क्रिस्टेलस कोलंबिया: कोलंबिया के मेटा प्रांत में सेरानिया-डे ला मैकेरेना नेशनल पार्क में स्थित यह नदी बेहद खूबसूरत और जादुई लगती है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और रंग बदलने की क्षमता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। कानो क्रिस्टेलस की यात्रा आपको प्रकृति के बिल्कुल करीब ले जाती है और यह ईको-टूरिज्म का एक बेहतरीन उदाहरण है। इसे पांच रंगों की नदी भी कहा जाता है। पानी का रंग बदलने का मुख्य कारण नदी में मौजूद मैक्रेनिया क्लेविगेरा नामक शैवाल हैं। बारिश के मौसम में जब इनको सही धूप और पानी मिलता है, तो ये चमकीले लाल और अन्य रंगों में खिल जाते हैं। इन्हीं के कारण पानी के नीचे लाल, पीला, हरा, नीला और काला रंग दिखाई देता है। इसीलिए कानो क्रिस्टेलस नदी को लिक्विड रेनबो यानी तरल इंद्रधनुष भी कहते हैं। यह अद्भुत नजारा मुख्य रूप से जुलाई से नवंबर के बीच (वर्षा ऋतु के दौरान) दिखाई देता है।

ली नदी, चीन: चीन की 'ली' नदी के आस-पास स्थित नुकीले चूना पत्थर के पहाड़ इसे किसी पारंपरिक चीनी पेंटिंग जैसा दृश्य प्रदान करते हैं। गुइलिन से यांग्शुओ तक बहने वाली यह नदी चूना पत्थर के ऊंचे पहाड़ों के बीच से गुजरती है। यह दृश्य इतना आइकॉनिक है कि इसे चीन के 20 युआन के नोट पर भी दर्शाया गया है। सदियों से इस नदी ने चीनी चित्रकारों और कवियों को प्रेरित किया है।

सोका नदी स्लोवेनिया: यह नदी अपनी शुद्धता और पन्ना जैसे हरे रंग के कारण प्रसिद्ध है। इसे प्यार से 'पन्ना ब्यूटी' कहा जाता है। यह नदी आल्प्स पर्वतमाला से निकलती है और अपनी पूरी लंबाई के दौरान अपना जादुई रंग बरकरार रखती है, जो कि बहुत दुर्लभ है। जुगैलियन आल्प्स से बहने वाली यह नदी अत्यधिक साफ-सुथरी होने के लिए भी जानी जाती है।

फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना/चिली: फुटालेउफू नदी अर्जेंटीना और चिली के उत्तरी पेटागोनिया क्षेत्र में स्थित एक बेहद शानदार और प्राकृतिक रूप से समृद्ध नदी है। पेटागोनिया के पहाड़ों से निकलने वाली यह नदी अपने आश्चर्यजनक रूप से साफ, फिरोजी नीले पानी और शानदार राफ्टिंग रूट्स के लिए जानी जाती है। यह अपनी बेमिसाल सुंदरता, उग्र जलधाराओं और विश्व-स्तरीय साहसिक खेलों के केंद्र के रूप में दुनियाभर में मशहूर है। मापुचे भाषा में 'फुटालेउफू' का अर्थ 'बड़ी नदी' होता है। स्थानीय लोग इस घाटी को 'उन पैसजे पिंटाडो पोर डियोस' अर्थात ईश्वर द्वारा चित्रित परिदृश्य कहते हैं। इस नदी का उद्गम, अर्जेंटीना के यूनेस्को संरक्षित लॉस एलेर्सेस राष्ट्रीय उद्यान के हिमनदों की पिघली हुई बर्फ से होता है। यह नदी अर्जेंटीना और चिली देश की सीमा को पार करती है। यह चिली के बेहद खूबसूरत लॉस लागोस क्षेत्र से बहते हुए अंततः प्रशांत महासागर में जाकर गिरती है। फुटालेउफू नदी दुनिया के बेहतरीन व्हाइटवॉटर कयाकिंग और राफ्टिंग स्थलों में से एक है। इसके तीव्र बहाव, क्रिस्टल-क्लियर नीले पानी और विशाल घाटी के बीच राफ्टिंग करने का अनुभव रोमांच प्रेमियों के लिए खास है। *

अत्यंत स्वच्छ-सुंदर नदी उमंगोट

अपने देश के मेघालय की दावकी नदी के नाम से मशहूर उमंगोट नदी दुनिया की सबसे साफ नदियों में से एक है। इसका पानी इतना पारदर्शी है कि इसमें चलने वाली नाव हवा में तैरती हुई सी प्रतीत होती है। यह नदी अपनी असाधारण पारदर्शिता के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। इसका पानी इतना साफ है कि नदी तल के पत्थर और मछलियां 8 मीटर की गहराई तक स्पष्ट दिखाई देते हैं। यह नदी भारत और बांग्लादेश के बीच एक प्राकृतिक सीमा बनाती है। स्थानीय समुदायों द्वारा इसकी स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाता है।

एक्शन-रोमांच से भरपूर 'अल्फा' का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा: आलिया भट्ट

आगामी 3 जुलाई को रिलीज होने वाली यशराज बैनर की फिल्म 'अल्फा' में आलिया भट्ट लीड रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह जबर्दस्त एक्शन करती दिखेंगी। यह फिल्म उन्होंने क्यों एक्सेप्ट की? अनिल कपूर और बॉबी देओल के साथ एक्टिंग करने के कैसे एक्सपीरियंस रहे? इस फिल्म के साथ प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ से जुड़े सवाल आलिया भट्ट से।

{ खास मुलाकात / आरती सक्सेना }

बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में शुमार आलिया भट्ट इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'अल्फा' को लेकर चर्चा में हैं। आलिया अपनी इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' में काम करने के अनुभव के साथ-साथ अपनी प्रोफेशनल-पर्सनल लाइफ को लेकर खास बातचीत की। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

अपनी आगामी फिल्म 'अल्फा' को लेकर आप इन दिनों बहुत उत्साहित हैं। इस फिल्म में काम करने का आपका अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' की शूटिंग करते हुए मैंने बहुत अच्छा समय बिताया। यह किसी फिल्म के सेट पर मेरे सबसे मजेदार और यादगार अनुभवों में से एक रहा। यशराज के स्पाई यूनिवर्स बैनर के एक्शन-रोमांच से भरे इस भव्य प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद रोमांचक रहा। इस फिल्म को करते वक्त मैंने उन चैलेंजेज को फेस किया, जिनका मैंने पहले कभी अनुभव नहीं किया था। मैं इस एक्शन एंटरटेनर फिल्म के सेट पर जाने के लिए हमेशा उत्साहित रहती थी। मैंने इसका हर मिनट पूरी तरह से एंज्वॉय किया।

'अल्फा' के एक सीन में शरवरी वाघ के साथ आलिया भट्ट

इस फिल्म को साइन करते वक्त फिल्म की कौन-सी बात ने आपको सबसे ज्यादा प्रभावित किया ?

वैसे तो इस फिल्म में बहुत सारी बाते हैं, जिसने मुझे फिल्म करने के लिए इंस्पायर किया, लेकिन मुझे सबसे ज्यादा यह बात पसंद आई कि इस फिल्म के केंद्र में दो महिलाएं हैं, जो पूरी एक्शन स्टोरी को आगे बढ़ा रही हैं। बॉलीवुड फिल्मों में ऐसा हमें बहुत कम देखने को मिलता है। 'अल्फा' एक एटीट्यूड का जश्न है।

इस फिल्म में आप के साथ शरवरी वाघ, अनिल कपूर और बॉबी देओल भी हैं, इन सभी के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा ?

'अल्फा' फिल्म में काम करने के अनुभव को और भी खास बनाने वाली बात यह थी कि मुझे इतने शानदार लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। चाहे फिल्म के निर्देशक शिव रवैल हों, हमारे को-एक्टर्स शरवरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल हों या एक्शन टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाला पूरा क्रू ही क्यों ना हो, इस फिल्म को लेकर सभी के भीतर जबरदस्त उत्साह था। वो एनर्जी, वो वाइब दर्शकों को पर्दे पर भी दिखाई देगी।

'अल्फा' फिल्म के लिए भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने आप को स्पेशल ट्रेनिंग दी है, इस बारे में कुछ बताएंगी ?

हां, भारत के सबसे तेज धावक गुरिंदरवीर सिंह ने इस फिल्म के लिए मुझे बहुत अच्छी ट्रेनिंग दी है। मैंने उनसे जिंदगी जीने का असली फलसफा भी सीखा है कि जिंदगी में कभी हार नहीं माननी चाहिए, हमेशा हौसले बुलंद रखने चाहिए।

'अल्फा' के अलावा आप और कौन-कौन सी फिल्में कर रही हैं ?

संजय लीला भंसाली की अपकमिंग फिल्म 'लव एंड वॉर' कर रही हूं। इसके अलावा 'चामुंडा', 'जी ले जरा' जैसी कुछ फिल्में लाइनअप हैं।

आपके पसंदीदा डायरेक्टर्स कौन हैं, जिनके साथ आप काम करने की इच्छा रखती हैं ?

मैं राजकुमार हिरानी, अयान मुखर्जी और जोया अख्तर के साथ फिल्म करने की इच्छा रखती हूं। ये सभी मेरे पसंदीदा डायरेक्टर्स हैं।

आपके कोई तीन सीक्रेट्स या कमजोरी, जो आप अपने फैंस के साथ शेयर करना चाहेंगी ?

(हंसते हुए) मुझे अंधेरे से डर लगता है, मुझे जोर से डकार लेने की आदत है और मैं इमोशनल सॉन्ग्स सुनकर कई बार रो पड़ती हूं। इन्हें आप मेरी वीकनेस मान सकती हैं। *

सब मैनेज करना पड़ता है

आलिया सक्सेसफुल एक्ट्रेस होने के साथ-साथ एक अच्छी वाइफ और मां भी हैं। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बनाना, उनके लिए कितना आसान या मुश्किल होता है? यह पूछे जाने पर आलिया कहती हैं, 'आसान तो कुछ भी नहीं होता, सब मैनेज करना पड़ता है। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि अगर आपको घर वालों का सपोर्ट मिले तो कई सारी मुश्किलें आसान हो जाती हैं। मुझे अपनी फैमिली का प्यार और सपोर्ट किसी न किसी रूप में मिलता रहता है। फिर चाहे मेरे पति रणबीर हों, बेटी राहा हो या सास नीतू सिंह क्यों ना हों। सासू मां और राहा तो मेरी जान हैं। स्पेशली सासू मां से मैंने सीखा कि जिंदगी में चाहे कितने ही उतार-चढ़ाव आ जाएं, हार नहीं माननी चाहिए और हमेशा पॉजिटिव सोच रखनी चाहिए। राहा से मैंने हमेशा खुश रहना सीखा है। जहां तक मेरे पति रणबीर की बात है तो वह मेरी जिंदगी का वो खूबसूरत एहसास हैं, जिनकी मैं शुरू से फैन थी। जहां वो पर्सनल लाइफ में शांत पति हैं, वहीं एक जिम्मेदार पिता भी हैं। हमारी बेटी राहा में तो उनकी जैसे जान ही बसती है।